राष्ट्रीय दैनिक

# बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।



पिंक डीपनेक आउटफिट...8

दैनिक बुद्ध का संदेश | 9795951917,9415163471 | @budhakasandesh | budhakasandeshnews@gmail.com | www.budhakasandesh.com

गुरुवार, 01 दिसंबर 2022 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 09 अंकः 341 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त


## नौसेना प्रमुख ने कहा आईएनएस विक्रांत से विमानों का संचालन अगले साल मई–जून तक हो सकता है शुरू

नई दिल्ली। नौसेना प्रमुख आर. हरि कुमार ने बुधवार को कहा कि नए विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत से विमानों के संचालन की प्रक्रिया के अगले साल मई या जून तक शुरु होने की संभावना है। उन्होंने महाराष्ट्र में पुणे जिले के खड़कवासला में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) के 143वें कोर्स की पासिंग आउट परेड का निरीक्षण करने के बाद पत्रकारों से कहा कि विमानवाहक पोत के समुद्री परीक्षण हो गए हैं जिसके बाद उसे नौसेना के बेड़े में शामिल किया गया। उन्होंने कहा कि अब पोत से विमानों के संचालन के लिए परीक्षण शुरू किए गए हैं। नौसेना प्रमुख ने कहा, ''सबसे पहले विमान की लैंडिंग प्रणाली की जांच करने की

आवश्यकता है। ये परीक्षण अभी चल रहे हैं। सामान्य तौर पर पोत को बेड़े में शामिल करने के बाद विमानों का संचालन शुरु होने में छह से आठ महीने का वक्त लगता है। हमें मानसून से पहले मई या जून तक इसके पूरा हो जाने की उम्मीद है।'' एनडीए में महिला कैडेट के पहले बैच की भर्ती पर उन्होंने कहा, ''हमारी सेनाएं लैंगिक रूप से निष्पक्ष हैं। महिलाएं पहले ही युद्धक सेवाएं दे रही हैं। नौसेना समेत तीनों सेनाओं में महिला अधिकारी हैं।'' उन्होंने कहा कि नौसेना ने महिला नौसैनिकों की भर्ती भी शुरू की है जो एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। एडमिरल कुमार ने कहा, ''इस साल हमने नौसैनिकों के लिए 3,000 रिक्तियां निकाली थी जिसके लिए हमें 10 लाख आवेदन मिले और इनमें से 82,000 आवेदन महिलाओं से मिले।'' नौसेना की आधुनिकीकरण की योजना के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ''भारतीय नौसेना आधुनिकीकरण कार्यक्रम चला रही है। हमारा पहला छोटा जहाज 1960 में शामिल किया गया...। उसके बाद से हम बड़े तथा और बड़े जहाज बना रहे हैं। इसके बाद हमने विध्वंसकों, कल्मीनेटर और विमानवाहक पोतों का निर्माण शुरू कर दिया। संयोग से नया विमानवाहक पोत 76 फीसदी स्वदेश निर्मित है इसलिए यह देश के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है।'' उन्होंने कहा कि पिछले सात वर्ष में भारत में बनाए गए 29 जहाज और पनडुब्बी बेड़े में शामिल किए गए। एडमिरल कुमार ने कहा, ''हमारे 45 जहाज निर्माणाधीन हैं जिनमें से 43 भारत में बने हैं। हम 49 अन्य जहाजों की आवश्यकता की स्वीकृति की प्रक्रिया में हैं इसलिए आधुनिकीकरण की योजना पर बहुत ध्यान है और सरकार हमारा सहयोग कर रही है। उम्मीद के मुताबिक कार्य प्रगति पर है।'' भारतीय नौसेना के लिए बजट के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ''बजट की कोई दिक्कत नहीं है। सभी कार्यक्रमों में सहयोग देने के लिए सरकार से पर्याप्त बजट मिला है।

## कार्यकर्ताओं से बोले शिवपाल, छोटे नेताजी के नाम से बुलाए जाएंगे अखिलेश

मैनपुरी । मैनपुरी लोकसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी की ओर से खूब प्रचार किया जा रहा है। समाजवादी पार्टी में एकता भी साफ तौर पर दिखाई दे रही है। शिवपाल यादव और अखिलेश यादव दोनों लगातार पार्टी के पक्ष में प्रचार करते दिखाई दे रहे हैं। इसी कड़ी में शिवपाल यादव ने कार्यकर्ताओं से बड़ी अपील की है। शिवपाल यादव ने साफ तौर पर कहा है कि अखिलेश यादव को छोटे नेताजी के नाम से बुलाया जाएगा। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हमारी लड़ाई बीजेपी से नहीं बल्कि बीजेपी की सरकार से है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे झगड़े से बचकर जमीन पर काम करते रहे। आपको बता दें कि मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद मैनपुरी लोकसभा सीट खाली हुई थी जिस पर उपचुनाव हो रहे हैं। इस उपचुनाव में समाजवादी पार्टी ने अखिलेश

यादव की पत्नी डिंपल यादव को अपना उम्मीदवार बनाया है। डिंपल यादव को उम्मीदवार बनाए जाने का समर्थन शिवपाल यादव ने भी किया था। पिछले दिनों शिवपाल यादव ने एक बयान देते हुए साफ तौर पर कहा था कि बहू ने उन्हें फोन किया था और वह मना नहीं कर सके। उन्होंने यह भी कहा कि अब अगर अखिलेश कुछ गड़बड़ करता है तो बहू इसकी गवाह रहेगी। शिवपाल ने साफ तौर पर कहा था कि अब वह 1–2 चुनाव ही लड़ेंगे। आगे लड़कों को ही लड़ना है। शिवपाल और अखिलेश एक साथ हैं तो दूसरी ओर भाजपा इन पर जबरदस्त तरीके से हमलावर है। खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिवपाल यादव की तुलना पेंडुलम से की थी। योगी ने कहा था कि चाचा शिवपाल की स्थिति पेंडुलम जैसी हो गई है। उन्होंने कहा था कि बेचारे को पिछली बार कितना बेइज्जत करके भेजा था, कुर्सी तक नहीं मिली, कुर्सी के हैंडल पर बैठना पड़ा था। जीवन में पेंडुलम कभी नहीं बनना चाहिए। पेंडुलम का कोई लक्ष्य नहीं होता है। हालांकि, अखिलेश यादव ने इस पर पलटवार भी किया। सपा प्रमुख ने कहा कि जो मुख्यमंत्री पेंडुलम की बातें कर रहे हैं उन्होंने खुद फिजिक्स नहीं पढ़ी है और वे हम लोगों को पेंडुलम सिखा रहे हैं।

## उत्तर प्रदेश बाढ़ की समस्या के स्थायी समाधान के लिए कर रहा है प्रयासः योगी आदित्यनीथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि राज्य बाढ़ की समस्या के स्थायी समाधान के लिए प्रयास कर रहा है जिससे हर साल कई लोगों की जान जाती है और संपत्ति की हानि होती है। उन्होंने कहा, ''कुछ समय पहले तक उत्तर प्रदेश के 38 जिले हर साल बाढ़ से प्रभावित रहते थे। आज यह महज चार जिलों तक सीमित होकर रह गया है।'' इस सफलता के लिए किए गए प्रयासों पर चर्चा करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि जब उन्होंने 2017 में मुख्यमंत्री के रूप में पदभार संभाला था, तो उन्हें बाराबंकी में एल्गिन ब्रिज से संबंधित 100 करोड़ रुपये का व्यय बिल मिला था।

उन्होंने कहा कि बाढ़ नियंत्रण के लिए सिर्फ एक जगह पर हर साल इतनी बड़ी राशि खर्च की जा रही थी। आदित्यनाथ ने कहा कि उन्होंने उत्तर स्थल का दौरा किया और नदी से गाद निकालकर बाढ़ के प्रभाव को कम करने का प्रयास किया। इसके परिणामस्वरूप बहराइच, गोंडा और बाराबंकी जिलों में बाढ़ की समस्या को नियंत्रित करने में सरकार ने 100 करोड़ रुपये खर्च करने के बजाय केवल पांच करोड़ रुपये खर्च किए।

आदित्यनाथ ने यहां राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के तत्वावधान में आयोजित आपदा प्रबंधन पर दो दिवसीय क्षेत्रीय सम्मेलन के तीसरे संस्करण को संबोधित किया। उन्होंने कहा, ''आपदाओं से बचाव के लिए सतर्कता और जागरूकता को बढ़ाये जाने की जरूरत है। कर्मियों का समय पर प्रशिक्षण, बचाव के उपायों को सही इरादे से लागू एवं संचालित करने से ही आपदाओं से होने वाले नुकसान के प्रभाव को कम किया जा सकता है।'' आपदा प्रबंधन को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने पर बल देते हुए उन्होंने कहा है कि अगर लोगों को यह पता होगा कि बाढ़, भूकम्प, आकाशीय बिजली, अग्निकांड आदि के समय उन्हें कैसी सावधानियां बरतनी चाहिए, तो निश्चित ही बड़ी जनहानि से बचा जा सकता है। मुख्यमंत्री ने मिर्जापुर और सोनभद्र जैसे जिलों में आकाशीय बिजली से होने वाली जनहानि की जानकारी देते हुए इसे रोकने के लिए अलर्ट सिस्टम को और बेहतर करने की आवश्यकता भी जताई। मुख्यमंत्री ने आपदाओं की रोकथाम में 'आपदा मित्रों' की भूमिका की सराहना करते हुए इस कार्य में ग्राम पंचायतों को जोड़ने और 'आपदा मित्रों' की संख्या बढ़ाने पर भी जोर दिया। आदित्यनाथ ने सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जागरुकता बढ़ाने पर भी जोर दिया। इस कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर (एनआरएससी)–हैदराबाद द्वारा विकसित 'बाढ़ एटलस' का अनावरण किया।

## आठ दिनों से एम्स का सर्वर हैक, दो निलंबित, गृह मंत्रालय ने की हाई लेवल मीटिंग

नई दिल्ली। एम्स में सर्वर हैक हुए अब तक आठ दिन हो चुके हैं लेकिन हैकर्स की अबतक कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। हैकिंग कहां से हुई है और सर्वर को किसने डाउन किया है। अभी तक

इसकी जांच जारी है। आठवें दिन भी अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) दिल्ली का सर्वर खराब रहा और सूत्रों के मुताबिक दिल्ली के दो विश्लेषकों के निलंबन के बाद साइबर सुरक्षा का उल्लंघन करने के आरोप में और भी निलंबन हो सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, ष्सैनिटाइजिंग प्रक्रिया शुरू हुई, पहले यह 15 थी लेकिन अब 50 में से 25 सर्वर और 400 से अधिक एंडपॉइंट कंप्यूटर स्कैन किए जा चुके हैं। भविष्य की सुरक्षा के लिए एंटीवायरस अपलोडिंग भी शुरू कर दी गई है।ष् दिल्ली एम्स में सर्वर हैकिंग की घटना ने गृह मंत्रालय की भी नींद उड़ा दी है। एम्स सर्वर हैक को लेकर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक हाई लेवल मीटिंग भी की है। इस मीटिंग में आईबी, एनआईए, दिल्ली पुलिस और एम्स प्रशासन के अलावा कंप्यूटर रिस्पांस इमरजेंसी सिस्टम के आला अधिकारी शामिल हुए। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बैठक में हैकिंग के मामले में अभी तक जांच किस दिशा में बढ़ रही है, इसको लेकर चर्चा हुई। मंगलवार को एम्स ने एक बयान भी जारी किया कि ई–हॉस्पिटल डेटा को बहाल कर दिया गया है, ष्ई–हॉस्पिटल डेटा को सर्वर पर बहाल कर दिया गया है। सेवाओं को बहाल करने से पहले नेटवर्क को साफ किया जा रहा है। इस प्रक्रिया में कुछ समय लग रहा है।

## पुंछ के सुरनकोट में हथियार बरामद, सेना का क्षेत्र में तलाशी अभियान जारी

जम्मू। पुंछ के सुरनकोट के नबाना गांव में सेना ने हथियार और गोला बारूद बरामद किए हैं। आतंकियों की मौजूदगी को मद्देनजर रखते हुए सेना ने पूरे क्षेत्र में तलाशी अभियान छेड़ दिया है। जानकारी के अनुसार, स्थानीय पुलिस और सेना की ओर से पुंछ जिला के सुरनकोट तहसील में उच्च पर्वतीय क्षेत्र पर स्थित नबाना गांव में तलाशी अभियान के दौरान आतंकियों की एक पनागाह से हथियार और गोला बारूद बरामए हुए। सेना और पुलिस को आतंकियों की पनाहगाह से दो एके राइफल जिसमें एक एके 47 और एक एके 56 राइफल शामिल हैं। इसके अलावा एके की सात मैगजीन, एक पिस्तौल और मैगजीन, पांच चीन निर्मित ग्रेनेड और 7.72 एमएम के 69 राउंड बरामद हुए हैं। इसके उपरांत पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर तलाशी अभियान जारी है।अन्य विवरण प्रतीक्षारत हैं। इसी बीच बीएसएफ के आइजी डीके बुरा ने आज यानी बुधवार को पत्रकारों को संबोधित करते हुए बताया कि जम्मू में सीमाएं पूरी तरह से सुरक्षित हैं। यहीं वजह है कि सतर्क सीमा प्रहरियों ने सीमा पार पाकिस्तान की ओर से सात आतंकी की घुसपैठ की नापाक कोशिशों को नाकाम किया है। उन्होंने साफतौर पर कहा कि सीमा पर घुसपैठ किसी भी तरह से बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

## मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जेल में बंद नवाब मलिक को लगा करारा झटका, विशेष अदालत ने जमानत देने से किया इनकार

मुंबई । मुंबई की एक विशेष अदालत ने राकांपा नेता नवाब मलिक की जमानत याचिका खारिज कर दी, जिन्हें फरवरी में प्रवर्तन निदेशालय ने भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम से जुड़ी संपत्ति पर दर्ज धन शोधन मामले में गिरफ्तार किया था। विशेष न्यायाधीश आरएन रोकड़े ने 14 नवंबर को मलिक की याचिका पर सुनवाई पूरी की और आदेश सुरक्षित रख लिया। जबकि न्यायाधीश को 23 नवंबर को आदेश पारित करना था, अदालत

ने कहा कि उसे दोनों पक्षों द्वारा रिकॉर्ड में रखे गए भारी भरकम सबमिशन और दस्तावेजों के माध्यम से जाना था और आदेश को बुधवार तक के लिए टाल दिया। मलिक महाराष्ट्र में महा विकास अगड़ी सरकार में मंत्री थे, को कई स्वास्थ्य समस्याएं हैं और मई से एक निजी अस्पताल में हैं। अपनी जमानत याचिका में, मलिक ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी द्वारा दायर एक शिकायत में नामजद लोगों के साथ साजिश करने के आरोपों से इनकार किया, जिसके आधार पर ईडी ने उन्हें मनी–लॉन्ड्रिंग मामले में दर्ज किया था। एनआईए मामले में नामित लोगों में भगोड़ा गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम और उसकी बहन हसीना पारकर शामिल हैं। मलिक की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अमित देसाई ने कहा कि वह एक ष्निर्दोष खरीदारष् थे, जिन्होंने मुंबई के कुर्ला इलाके में गोवावाला कंपाउंड की संपत्ति पूरी मेहनत से खरीदी थी। ईडी ने संपत्ति के मालिक मुनीरा प्लम्बर द्वारा दायर एक शिकायत के आधार पर अपनी जांच शुरू की। देसाई ने कहा कि प्लंबर ने शिकायत दर्ज कराई थी कि मलिक द्वारा कानूनी रूप से खरीदे जाने के बाद 2021–23 साल में उनकी संपत्ति कथित रूप से हड़प ली गई।

## उत्तर 24 परगना के एक स्कूल पहुंचीं ममता बनर्जी, छात्रों को खिलौने और चॉकलेट बांटीं

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को उत्तर 24 परगना जिले के एक प्राथमिक स्कूल पहुंचकर छात्रों से बातचीत की। बनर्जी ने छात्रों को चॉकलेट और खिलौने भी बांटे। बाद में उन्होंने हसनाबाद के खापुकुर में स्थानीय लोगों को सर्दी के लिए कपड़े बांटे। लोग मुख्यमंत्री से पेयजल संकट की शिकायत करते हुए सुने गए। एक स्थानीय निवासी मिहिर अधिकारी ने कहा कि हसनाबाद के लोगों को प्रभावित करने वाली एक और समस्या नदी के किनारे का कटाव है। उन्होंने कहा, ''हमें उम्मीद है कि मुख्यमंत्री हमारी समस्याओं को सुनेंगी और उन्हें हल करेंगी।'' पश्चिम बंगाल में अगले साल पंचायत चुनाव होने हैं।

## गुजरात चुनावों में कई मुख्यमंत्रियों ने किया जमकर प्रचार, लेकिन किसकी सभाओं में उमड़ी सबसे ज्यादा भीड़?

अहमदाबाद। गुजरात विधानसभा चुनावों के पहले चरण का प्रचार कार्य समाप्त हो चुका है। इस दौरान विभिन्न दलों के राष्ट्रीय और प्रांतीय नेताओं ने खूब जमकर प्रचार किया। विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री भी गुजरात में चुनाव प्रचार के लिए पहुँचे। इनमें भाजपा की ओर से बात करें तो खुद गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के अलावा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा, गुजरात के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस प्रमुख रहे। अन्य दलों की बात करें तो आम आदमी पार्टी के चुनाव प्रचार की कमान खुद

पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने संभाली तो उनके अलावा पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी सारा समय गुजरात में ही चुनाव प्रचार करते रहे। इसके अलावा दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने भी गुजरात में अपनी पार्टी के लिए जमकर प्रचार किया।

कांग्रेस की ओर से प्रचार करने वाले मुख्यमंत्रियों में अशोक गहलोत प्रमुख रहे। अशोक गहलोत गुजरात चुनाव में कांग्रेस के प्रभारी भी हैं इसलिए उन्होंने चुनाव प्रचार के अलावा संगठन से जुड़े कामों में भी काफी योगदान दिया। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी गुजरात चुनावों में सक्रिय रहे। अब चूंकि कांग्रेस के पास दो ही राज्यों में मुख्यमंत्री हैं इसलिए गहलोत और बघेल ही प्रचार के लिए आ पाये। हालांकि कांग्रेस के कई पूर्व मुख्यमंत्रियों ने जरूर गुजरात आकर चुनाव प्रचार किया। इनमें मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ, गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री शंकर सिंह वाघेला, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण आदि प्रमुख रहे।

# गुड पुलिसिंग व सीधे संवाद ने एसएसपी को जनता में बनाया लोकप्रिय

## एसएसपी केशव कुमार चौधरी का हुआ तबादला, आगरा के अपर पुलिस उपायुक्तबने

बहराइच । पिछले दिनों प्रदेश की योगी सरकार की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक में प्रयागराज, आगरा और गाजियाबाद में भी पुलिस कमिश्नर सिस्टम लागू करने का प्रस्ताव पास किया गया था। प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलावा कानपुर, वाराणसी और नोएडा में यह व्यवस्था पहले से लागू है। अब यूपी में 7 शहरों मे पुलिस कमिश्नर प्रणाली लागू हो गई है।योगी सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश में तीन और कमिश्नरेट बनाएं जाने के बाद अधिकारियों को इधर से उधर फेरबदल करने का दौर जारी है।इसी क्रम में दस माह पूर्व जनपद में पुलिसिंग की कमान संभालने वाले जनता के प्रति सरल,सौम्य व्यवहार से चर्चित एवं अपराधियों से उन्ही की भाषा में जवाब देने वाले आईपीएस केशव कुमार चौधरी का देर रात अपर पुलिस उपायुक्त आगरा के पद पर पदोन्नति मिली है।वहीं उनके स्थान पर अयोध्या के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत वर्मा को जिले की कमान सौंपी गई है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक केशव कुमार चौधरी लोकप्रिय, जनप्रिय के साथ – साथ लोगों से सरल, सहज व्यवहार में काफी चर्चित रहे।तबादले की खबर सुनकर हर वर्ग के लोगो मे मायूसी देखी गयी।अपने लोकप्रिय एसएसपी की विदाई के लिए हर तबके से आम जनमानस उनसे भेंट करने के लिए उनके आवास पहुंचा।इससे सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि उनकी छवि लोगो मे किस कदर छाप छोड़ी है।

एसएसपी की संवाद व रुट लेवल पॉलिसी से बड़े बड़े मैटर को चुटकियों में हल निकाला गया।जनपद इंडो–नेपाल बॉर्डर पर होने के कारण सवेंदनशील जिलों में भी शुमार है।जनपद में थानों का कायाकल्प एवं थानेदारों से सीधा संवाद बहराइच पुलिसिंग की रेटिंग अच्छा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।अब जब एसएसपी का तबादला पदोउन्नति होकर आगरा में पुलिस उपायुक्त के रूप में नई पोस्टिंग मिली है जो चुनौतियों भरा ताज होगा।वहीं अयोध्या में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक की कमान संभाले 2014 बैच के आईपीएस प्रशांत वर्मा को जनपद की जिम्मेदारी सौंपी गई है।हालांकि लोगों में एक आम चर्चा रही कि सरकार को एसएसपी के ट्रांसफर के लिए पुर्नविचार करना चाहिए निकाय चुनाव तक एसएसपी को जनपद में रोकना चाहिए जिससे जिलाधिकारी के साथ एक अच्छे तालमेल के बीच सकुशल निकाय चुनाव सम्पन्न हो पाए।

# डीएम की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई जिला पेयजल एवं स्वच्छता समिति की बैठक

बहराइच । जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद बहराइच हेतु नामित कार्यदायी संस्था पीएनसी इन्फ्राटेक लिमिटेड द्वारा संचालित परियोजनाओं के भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की समीक्षा के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला पेयजल एवं स्वच्छता समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र ने खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देश दिया कि ब्लाक स्तरीय समितियों को क्रियाशील करते हुए प्रत्येक सप्ताह समिति की बैठक कर ब्लाक अन्तर्गत संचालित परियोजनाओं की भौतिक प्रगति, गुणवत्ता की गहन समीक्षा की जाए। डीएम डॉ. चन्द्र ने यह भी निर्देश दिया कि राज्य पेयजल एवं स्वच्छता समिति द्वारा 379 ग्रामों हेतु आनगोईंग 293 परियोजनाओं का ब्लाक स्तरीय समिति से स्थलीय सत्यापन कराते हुए जिला स्तरीय समिति को आख्या प्रेषित की जाए साथ ही पूर्ण परियोजनाओं से सम्बन्धित ग्रामों में कनेक्शन के लिए लोगों को जागरूक किया जाए। डीएम ने खण्ड विकास अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया जल जीवन मिशन अन्तर्गत कराएं गए कार्यों से क्षतिग्रस्त हुई सार्वजनिक परिसम्पत्तियों का ग्रामवार विवरण भी उपलब्ध कराया जाय। पूर्ण परियोजनाओं का जनप्रतिनिधियों से भी निरीक्षण कराया जाए। बैठक के दौरान कार्यदायी संस्था को निर्देष दिए गए कि आनगोईंग परियोजनों को मानव संसाधन बढ़ाकर समय से पूर्ण कराया जाए तथा पूर्ण परियोजनाओं के सापेक्ष ग्रामवासियों को कनेक्शन प्रदान करने हेतु पलम्बर्स को ब्लाक स्तर पर प्रशिक्षण भी आयोजित किया जाए। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की परियोजनाओं को कार्यान्वित करते समय विगत वर्षों में आयी बाढ़ के दौरान जल स्तर को देखते हुए फाउण्डेशन को तद्नुसार ऊंचा कर बनाया जाय ताकि बाढ़ के समय भी ऐसे स्थान शुद्व पेयजल की आपूर्ति के साथ प्रभावित लोगों को सुरक्षित आसरा तथा राहत एवं बचाव कार्यों के संचालन में भी काम आ सकें। डीएम ने निर्देश दिया कि जिन परियोजनाओं हेतु भूमि से सम्बन्धित कोई समस्या है तो उसके समाधान के लिए एसडीएम व बीडीओ से समन्वय स्थापित कर शीघ्र से भूमि प्राप्त कर परियोजनाओं को क्रियान्वित करें। डीएम ने यह भी निर्देश दिया कि अनारम्भ परियोजनाओं को शीघ्र ही आरम्भ कराएं। डीएम ने बीडीओ को निर्देश दिया कि ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए गौशालाओं में संरक्षित गोवंशों के लिए माकूल बन्दोबस्त किए जाए।

बैठक का संचालन अधि.अभि. जल निगम सौरभ सुमन ने किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी कविता मीना, जिला विकास अधिकारी महेन्द्र कुमार पाण्डेय, डीसी मनरेगा के.डी. गोस्वामी, जिला पंचायत राज अधिकारी उमाकान्त पाण्डेय, प्रोजेक्ट मैनेजर राकेश तिवारी सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी व खण्ड विकास अधिकारीगण मौजूद रहे।

# जनता निकाय चुनाव में चाहती हैं परिवर्तन:सभाजीत सिंह

## –"आप" ने बिजली, पानी, शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में ऐतिहासिक काम किया

अयोध्या। नगर निगम चुनाव के मद्देनजर प्रदेश भर में आम आदमी पार्टी लगातार कार्यकर्ता सम्मेलन कर रही है देवकाली स्थित पार्वती लान में निकाय कार्यकर्ता सम्मेलन हुआ जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और स्थानीय लोग शामिल हुए .मुख्य अतिथि के रूप में निकाय चुनाव संचालन समिति के प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह मौजूद रहे. आप नेताओं ने आप को वोट देने की अपील की । सम्मेलन को संबोधित करते हुए निकाय चुनाव संचालन समिति के प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह ने कहा कि जनता निकाय चुनाव में परिवर्तन चाहती है नगर निगम , नगर पालिका, नगर पंचायत में चरम सीमा पर भ्रष्टाचार हुआ है लोग खुद को ठगा महसूस कर रहे हैं भाजपा के भ्रष्टाचार की पोल जनता के सामने खुल चुकी है शहर में न साफ–सफाई की व्यवस्था है, पार्कों पर अवैध कब्जे हो चुके हैं, स्ट्रीट लाइट खराब पड़ी हुई हैं, आवारा पशु सड़कों पर घूम रहे हैं भाजपा की सरकार ने विकास की जगह सिर्फ भ्रष्टाचार किया है । उन्होंने जनता से अपील की भ्रष्टाचार मुक्त नगर निकाय और काम के लिए जनता एक मौका आम आदमी पार्टी को दे। जनता इस बार झूठ–गुंडागर्दी की राजनीति का सफाया कर, निकाय चुनाव मे केजरीवाल के काम की राजनीति को चुनेगी.उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी ने दिल्ली और पंजाब में बिजली, पानी, शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में ऐतिहासिक काम किया है जिसकी आज दुनियाभर में चर्चा हो रही है। निकाय चुनाव समिति के अध्यक्ष सभाजीत सिंह ने कहा कि जाति, धर्म मंदिर, मस्जिद की राजनीति से लोगों का भला नहीं होने वाला है लोग महंगाई से परेशान हैं युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है किसानों को उचित मूल्य फसलों का नहीं मिला। जिला अध्यक्ष अनिल कुमार प्रजापति.ने कहा कि निकाय चुनाव में आम आदमी पार्टी हर सीट पर मजबूती से चुनाव लड़ेगी. उन्होंने कहा कि नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायतों की लापरवाही के चलते आज जगह–जगह गंदगी का जमावड़ा है जिससे विभिन्न प्रकार की बीमारियां पनप रही है. सफाई की स्थिति बेहद खराब है । कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष अनिल कुमार प्रजापति यूथ विंग के प्रदेश महासचिव अंकित परिहार जिला महासचिव सुनील मौर्य हर्षवर्धन कोरी, मनोज मिश्रा मो नदीम रजा, मोहित महराज यूथ विंग के जिला अध्यक्ष नवीन यादव जुल्फिकार आलम उर्फ सूरज प्रधान यू के द्विवेदी मो इसराइल फरीद अहमद मायादेवी मो सिराज सचिन गुप्ता सन्तोष कोरी अभय वर्मा मोहित सोनी कुलभूषण शाहू सुनीता सोनकर दिलीप वर्मा गायत्री मिश्रा रवि साहू अफलाल अहमद नीलेश चतुर्वेदी आदि प्रमुख लोग थे।

## निलम्बित प्रधानाचार्य ने अपनी मांगों को लेकर दिया धरना

बहराइच। शहर के अंबेडकर पार्क के सामने भीम आर्मी के सहयोग से गांधी इंटर कॉलेज के निलंबित प्रधानाचार्य जगदीश कुमार सिंह ने आज अपनी 5 सूत्रीय मांगों को लेकर धरना दियास इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कॉलेज की ब्रह्मणवादी प्रबंध समिति ने गत 15 वर्षों के उनके कार्यकाल में उन्हें छह बार निलंबित किया हैस इस तरह प्रबंध समिति लगातार उनके साथ अत्याचार एवं शोषण का रवैया अपना रही हैस जिला प्रशासन के ढुलमुल रवैये से उन्हें न्याय नहीं मिल पा रहा है स उन्होंने बताया कि इस बार वह अपने निलंबन की वापसी तक धरना प्रदर्शन करते रहेंगेसउन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है कि कॉलेज की अवैध प्रबंध समिति को भंग कर निष्पक्ष चुनाव कराए जाएं, गत दिनों कार्यालय में की गई लूटपाट एवं मारपीट की एफ आई आर दर्ज की जाएस मालूम हो कि इस विवाद के बाद कालेज के प्रधानाचार्य एवं हेड क्लर्क के कमरे में ताला डाल दिया गया हैस जिससे तमाम काम प्रभावित हो रहा है इसके अलावा विद्यालय में शिक्षण कार्य भी प्रभावित है स प्रधानाचार्य ने अपनी 5 सूत्रीय मांगों का एक ज्ञापन पत्र आज धरना स्थल पर मजिस्ट्रेट को दिया गया स इस धरने में निलंबित प्रधानाचार्य के साथ ही भीम आर्मी के मंडल संयोजक एस के राज जिला अध्यक्ष सुरेश पासवान, रामचंद्र भास्कर, राघवेंद्र, महेश भास्कर, नरेंद्र भानु, गरीब गौतम, रक्षा राम आजाद एवं भारत मुक्ति मोर्चा के प्रदेश सचिव पुरुषोत्तम जैसवार आदि मौजूद थे।

## मुनिराज बने जिले के नए एसएसपी

अयोध्या। सोमवार देर रात किए गए तबादले में 2009 बैच के आईपीएस अफसर मुनिराज को अयोध्या जनपद का नया एसएसपी बनाया गया है। इसके पूर्व वह गाजियाबाद में तैनात रहे। जबकि अयोध्या में तैनात रहे आईपीएस प्रशांत वर्मा को शासन ने बहराइच का नया एसपी बनाया है। तमिलनाडु के एक किसान परिवार में जन्में मुनिराज 2009 बैच के आईपीएस ऑफिसर हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत बतौर एडिशनल एसपी बनारस से शुरू की। उसके बाद एएसपी गाजियाबाद, एएसपी रूरल शाहजहांपुर, एसपी सिटी गाजियाबाद, एसपी चंदौली, एसपी हमीरपुर, एसपी पीलीभीत, एसपी मऊ, एसपी बुलंदशहर और एसपी ट्रेनिंग, एसएसपी अलीगढ़ में भी तैनात रहे। बता दें कि तमिलनाडु के मूल निवासी मुनिराज की खेल में भी काफी रूचि है और धावक के तौर पर उन्होंने राष्ट्रीय स्तर के कई मेडल भी जीते हैं। साथ ही साथ उन्होंने मैराथन में भी अपना लोहा मनवाया। सीएए प्रोटेस्ट के दौरान मुनिराज की तैनाती अलीगढ़ में थी और उन्होंने वहां पर बेहतरीन काम किया था। इसी तरह आगरा में कोरोना के काल के दौरान भी मुनिराज ने काफी अच्छे काम किए। हालांकि आगरा में अरुण बाल्मीकि की कस्टोडियल डेथ को लेकर मुनिराज को वहां से हटा दिया गया था।

# दोबारा सर्वे कर उचित मुवाअजा का दिलाया भरोसा

## –व्यापारियों से डोर–टू–डोर सम्पर्क कर रहा प्रशासनिक अमला

अयोध्या।रामपथ कार्ययोजना मे प्रशासन द्वारा मनमानी के विरोध वा विभिन्न मागो को लेकर चल रहे आन्दोलन मे लगातार दो दिन की बंदी व धरने की घोषणा से प्रशासन दबाव में आया। सुबह 10बजे जिलाधिकारी स्वयं मय प्रशासनिक अमला एव व्यापारी प्रतिनिधियो के साथ नयाघाट अयोध्या में सैकड़ो व्यापारी से डोर टू डोर मिलकर समस्याओं को समझा। व्यापारीयों को कम मुवाअजे की बात पर एवं न्यूनतम 5 लाख से अधिकतम 20 लाख की माग पर दोबारा सर्वे कर व्यापारियों की उचित मुवाअजा का भरोसा दिया। साथ ही एक सिरे बुलडोजर से तोड़ने के बजाय व्यापारियों द्वारा स्वयं तोड़ने की वा कुछ दिन और समय की मांग पर जिलाधिकारी महोदय दोनो मांग को मानते हुए 15दिसबंर तक स्वयं तोड़ लेने का मौका दिया,रामगुलैला के 16व्यापारी भी मिले उनको संतुष्ट करने के लिए एडीएम प्रशासन से बोले। फसाडधडिजाइन आदि मे एकरूपता का आश्वासन दिया बताते चले भक्ति पथ पर बार बार डिजाइन बदल जा रही जिससे फसाड आदि को तोड़कर नया डिजाइन बनवाना पड़ रहा है।मकानमालिकोधकिरायेदार से विवाद को निपटाने के प्रशासन व्यापारी प्रतिनिधियो एव मकानमालिको की कमेटी एक दो दिन मे बनाने का आश्वासन दिया। रामपथ की चौड़ाई 20 मीटर लिखित मांग को मौखिक ही दिया। नन्द कुमार गुप्ता नंदू के कहा रामपथ निर्माण मे आज जिलाधिकारी द्वारा डोर टू डोर समस्याओं को जानकर अधिकतर गतिरोध को दूर किया गया किये गये वादे के लिखित मांग,5–20 लाख मुवाअजे की मांग आदि कुछ मुद्दो पर गतिरोध अभी बना है यदि उपरोक्त मुद्दे पर जल्द ही निराकरण नही किया गया तो व्यापार मंडल फिर से आन्दोलन के लिए बाध्य होगा जिसकी सारी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी। पंकज गुप्ता ने कहा प्रशासन के सकारात्मक पहल का स्वागत है हमे पूर्ण विश्वास है कि अब प्रशासन मनमानी के बजाय हम लोगो की हितो को देखते सहानुभूति के कार्ययोजना को बढायेगी। प्रशासन के साथ मे प्रमुख रूप से नन्द कुमार गुप्ता" नंदू" पंकज गुप्ता नन्द लाल गुप्ता,विनोद श्रीवास्तव, बृजकिशोर पांडेय,शोयब खान,विनोद पाठक,अवधेश यादव,श्याम सुन्दर, अनिल मोर्या ,आनद कसौधन,अश्वनी गुप्ता आदि शामिल रहे।

## डीएम व एसपी ने किया जिला कारागार का निरीक्षण

बहराइच । जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र ने पुलिस अधीक्षक केशव कुमार चौधरी व मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ एस.के. सिंह के साथ जिला कारागार बहराइच का निरीक्षण कर कारागार प्रशासन द्वारा बन्दियों को मुहैय्या करायी जा रही सुविधाओं व कारागार की साफ–सफाई आदि का जायजा लिया। जिला कारागार के निरीक्षण के दौरान डीएम व एसपी ने महिला एवं बाल बैरक, बैरक संख्या 10 ए,बी व सी, कारागार अस्पताल सहित अन्य बैरकों का जायजा लिया। पाकशाला के निरीक्षण के दौरान साफ–सफाई तथा भोजन की गुणवत्ता अच्छी पाये जाने पर जेल प्रशासन की सराहना की गई। जिला कारागार के निरीक्षण के दौरान जेल अधीक्षक राजेश कुमार यादव, जेलर आनन्द कुमार शुक्ल, डिप्टी जेलर देव कान्त वर्मा, चिकित्सक परिवेश पाण्डेय सहित अन्य सम्बन्धित लोग मौजूद रहे।

## एकल गायन प्रतियोगिता में सौम्य पांडे ने मारी बाजी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। एम एल के पी जी कॉलेज बलरामपुर सभागार में

पाठ्य सहगामी क्रियाओं के अंतर्गत बुधवार को एकल गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में सौम्य पाण्डेय ने करते हो तुम कन्हैया नाम मेरा हो रहा है गीत प्रस्तुत कर पहला स्थान प्राप्त किया। एकल गायन प्रतियोगिता में छात्र–छात्राओं ने सुर व लय का अदभुत संगम का प्रदर्शन करते हुए अपने प्रतिभा के जौहर दिखये। बच्चों की प्रतिभा को देखकर प्रफुल्लित महाविद्यालय प्राचार्य ने शुभाशीष प्रदान करते हुए सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से हमारे व्यक्तित्व का विकास होता है। सह सांस्कृतिक निदेशक व कार्यक्रम संयोजक लेफ्टिनेंट डॉ देवेन्द्र कुमार चौहान ने सभी का स्वागत किया। सांस्कृतिक निदेशक डॉ अनामिका सिंह ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। निर्णायक डॉ स्वदेश भट्ट, लेफ्टिनेंट डॉ देवेन्द्र चौहान व मांडवी तिवारी ने प्रदर्शन के आधार पर बीएससी के सौम्य पाण्डेय को प्रथम, अंशिका उपाध्याय को द्वितीय व मो0 लारेब को तृतीय स्थान के लिये चुना गया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ आनंद वाजपेयी ने किया। इस अवसर पर प्रो0 श्रीप्रकाश मिश्रा, प्रो0 रेखा विश्वकर्मा, डॉ दिनेश मौर्य, डॉ जितेंद्र भट्ट, डॉ अभयनाथ ठाकुर, डॉ बीएल गुप्त, डॉ शकुंतला, डॉ वंदना, मणिका मिश्र आदि मौजूद रहे।

# खेल का हमारे जीवन में अहम हिस्सा : प्रो. प्रतिभा गोयल

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के पद्मश्री अरूणिमा सिन्हा, स्टूडेंट एमिनिटी सेंटर, आवासीय क्रीड़ा विभाग में अन्तर विभागीय खेल प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल व मुख्य अतिथि इंटरनेशनल टेबल टेनिस खिलाड़ी जबरजीत सिंह ने टेबल टेनिस खेलकर प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया। अवध विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल ने कहा कि खेल का हमारे जीवन में अहम हिस्सा है। इसमें खिलाड़ी को जीतने का भरसक प्रयास करते रहना चाहिए। हारने पर पुनः सफलता प्राप्त करने के लिए खुद को तैयार करते रहे। कुलपति ने कहा कि एक खिलाड़ी को अपने सामने वाले खिलाड़ी से कम नही आंकना चाहिए। स्वस्थ्य मन के साथ खेल पर पूरा ध्यान देना चाहिए। कॅरियर बनाने के लिए खिलाड़ी को स्वयं को हमेशा फिट रखना होगा। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थान खिलाड़ियों की नर्सरी होते है। भविष्य के खिलाड़ी यहीं से पैदा होते है। इसलिये खिलाड़ियों को शारीरिक गतिविधियों से जुड़ा होना चाहिए। कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल ने विश्वविद्यालय में कुलपति व कुलसचिव बिग्रेड के बीच होने वाली प्रतियोगिता की सराहना की। और कहा कि इससे शिक्षकों एवं कर्मचारियों के मध्य एक स्वस्थ्य परिवेश का निर्माण होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इंटरनेशनल टेबल टेनिस खिलाड़ी जबरजीत सिंह ने कहा कि खेल हम सभी को जोड़ता है। एक खिलाड़ी को मेडल और कर्म से अच्छा बन सकता है। खेल में प्रतिभाग करने से खिलाड़ियों की प्रतिभा निखरती है। ये संस्थान के ब्राण्ड एम्बेसडर होते है। इन्हीं खिलाड़ियों से विश्वविद्यालय का नाम जुड़ा होता है। अच्छे अनुशासन व खेल से विश्वविद्यालय को ऊचाईयों पर ले जाए। कार्यक्रम में क्रीड़ा परिषद उपाध्यक्ष प्रो0 जसवंत सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के क्रीड़ा परिषद द्वारा राष्ट्रीय व विश्वविद्यालयीय स्तर प्रतियोगिताएं आयोजित होती रहती है। इसमें विश्वविद्यालय को कई मेडल भी प्राप्त हुए है। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने खेल के क्षेत्र में एक नया आयाम दिया है। कार्यक्रम में अधिष्ठाता छात्र–कल्याण प्रो0 नीलम पाठक ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि यहां के खिलाड़ी खेल की भावना के साथ आगे बढ़ें रहें। प्रतियोगिता के पूर्व अतिथियों का स्वागत बैज लगाकर किया गया। इसके उपरांत स्मृति चिन्ह व पुष्पगुच्छ भेटकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन इंजीनियर शाम्भवी मुद्रा शुक्ला व डॉ0 स्नेहा पटेल द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन आवासीय क्रीड़ा प्रभारी डॉ0 मुकेश वर्मा ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव उमानाथ, प्रो0 एसएस मिश्र, प्रो0 हिमांशु शेखर सिंह, प्रो0 राजीव गौड़, प्रो0 आके सिंह, प्रो0 आशुतोष सिन्हा, क्रीड़ा सचिव डॉ0 अशाष प्रताप सिंह, प्रो0 फारूख जमाल, सरल ज्ञाप्रटे, डॉ0 पीके द्विवेदी, डॉ0 संजय चौधरी, डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी, डॉ0 अनिल मिश्र, डॉ0 अनुराग पाण्डेय, डॉ0 अर्जुन सिंह, डॉ0 कपिल राना, डॉ0 अंशुमान पाठक, डॉ0 अंकित मिश्र, डॉ0 शैलेन वर्मा, डॉ0 शिवांश कुमार, इंजीनियर आस्था कुशवाहा, डॉ0 प्रतिभा त्रिपाठी, देवेन्द्र वर्मा, मंगलम सिंह, मोहनी पाण्डेय, स्वाति उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

## राम लीला कमेटी द्वारा निकाली गई भव्य शोभायात्रा

बहराइच । श्री मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान रामलीला कमेटी द्वारा भव्य राम विवाह शोभायात्रा का आयोजन किया गया।श्री राम विवाह की भव्य यात्रा फायर स्टेशन के समीप कमेटी के अध्यक्ष श्याम करण टेकड़ीवाल के निवास से शुरू होकर घंटाघर, छोटी बाजार ,गुरुनानक चौक, चित्रगुप्त चौक, छावनी चौराहा होते हुए पंचायती मंदिर पहुंची।जहां पर कमेटी के सहयोग से राम परिवार मित्र मंडली द्वारा पांच कन्याओं के सामूहिक विवाह का आयोजन किया गया।इस यात्रा में कमेटी के अध्यक्ष श्याम करण टेकड़ीवाल,संतोष अग्रवाल,हरिश्चंद्र गुप्ता,जय जय अग्रवाल,अरुणेंद्र कुमार अंकित, मुकुट बिहारी तिवारी,सुनील श्रीवास्तव, डॉ.डिंपल जैन,देवेंद्र कुमार मिश्रा,प्रशांत मिश्रा,अयोध्या प्रसाद अवस्थी,आशीष सिंह ,हर्षित राज श्रीवास्तव ,मुकेश मिश्रा गुड्डू,केके मिश्रा अनिल मिश्रा, रणविजय सिंह, अखिलेश यादव गोले ,सतीश सिंह, युवराज यज्ञसैनी, अमरीश गुप्ता,राजकुमार वर्मा मिथुन सहित सैकड़ों राम भक्त उपस्थित रहे।

## ससुराल आये युवक की सड़क दुर्घटना में मौत

मवई–अयोध्या। पटरंगा थाना क्षेत्र अंतर्गत बाकरपुर गांव के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग पर बीती रात्रि को अज्ञात वाहन की चपेट में आने से युवक की दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पर पहुँची पटरंगा पुलिस ने गंभीर रूप से घायल युवक को सीएचसी मवई भेजवाया जंहा डाक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दियइं जानकारी के मुताविक . बीती रात्रि को पटरंगा थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित बाकरपुर गांव के समीप अज्ञात वाहन की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पटरंगा पुलिस ने घायलावस्था में पड़े युवक को सीएचसी मवई ले गई जंहा डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।मवई पुलिस ने काफी मसक्कत के बाद शव की शिनाख्त कराया। मृतक की पहचान बासदेव रावत पुत्र राम अवध रावत उम्र 35 वर्ष निवासी सड़वा भेलू,अमहिया थाना असन्दरा जनपद बाराबंकी के रूप में हुई है।मृतक के चाचा सुखदेव रावत ने बताया कि मेरे भतीजे की ससुराल बाकरपुर में है यंही पर बटाई पर खेत लेकर धान लगाए था और धान की मड़ाई करने के बाद घर वापस जा रहा था तभी रास्ते मे दुर्घटना का शिकार हो गया।मृतक के एक नाबालिग लड़का है। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। मवई थाना प्रभारी ओपी तिवारी ने बताया कि शव की शिनाख्त करवाकर परिजनों को सूचित कर दिया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया गया है।तहरीर मिलने पर विधिक कार्यवाही की जाएगी।

# जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बेसिक शिक्षा विभाग के कार्यो की समीक्षा बैठक सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। बेसिक शिक्षा विभाग के कार्यो की समीक्षा बैठक जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी संजीव रंजन ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी व सभी खण्ड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि वह भ्रमणशील रहकर नियमित रूप से विद्यालयों का निरीक्षण करें। निरीक्षण के दौरान यदि कोई अध्यापक बिना अवकाश स्वीकृत कराये अनुपस्थित पाया जाता है, तो उनके विरूद्ध कड़ी कायर्वाही करें। जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि विद्यालयों में स्मार्ट क्लास व अन्य माध्यम से बच्चों को बेहतर शिक्षण सुविधा उपलब्ध कराना सुनिश्चित कराया जाय। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने विद्यालयों में आपरेशन कायाकल्प के अन्तगर्त 14 मूलभूत सुविधाओं से संतृप्तीकरण की स्थिति के सम्बन्ध में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से जानकारी प्राप्त की। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बताया कि ज्यादातर विद्यालयों में आपरेशन कायाकल्प के अन्तर्गत सौन्दयीर्करण का कार्य कराया जा चुका है। ज्यादातर विद्यालयों के शिक्षक दीक्षा ऐप से जुड़ चुके हैं और ऑनलाइन व्यवस्था से ही अवकाश प्राप्त कर रहे हैं।

इसके अलावा स्कूल चलो अभियान, आपरेशन कायाकल्प, फर्नीचर आपूर्ति, तथा अन्य विन्दुओ की समीक्षा की गयी। विद्यालय जर्जर भवनो का ध्वस्तीकरण कराने की कार्यवाही पूर्ण कर लिया गया है। छात्राओ को आयरन की गोली खिलाने का निर्देश दिया गया। इसके अलावा मिड–डे मील की समीक्षा की गयी। इस बैठक में उपरोक्त अतिरिक्त जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी देवेन्द्र कुमार पाण्डेय, समस्त खण्ड शिक्षा अधिकारी उपस्थित थे।

# मानव तस्करी की रोकथाम के लिये आयोजित हुई कार्यशाला

## मानव सेवा संस्थान द्वारा पुलिस लाइन में आयोजित हुई कार्यशाला

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। क्षेत्राधिकारी सदर अखिलेश वर्मा की अध्यक्षता में बुद्धवार को मानव सेवा संस्थान सेवा गोरखपुर द्वारा मानव तस्करी की रोक थाम हेतु एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन पुलिस लाइन के सभागार कक्ष में किया गया। कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए मानव सेवा संस्थान सेवा के निदेशक राजेश मणि द्वारा बताया गया कि मानव तस्करी दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा संगठित अपराध है। मानव तस्करी को रोकना एक बड़ी चुनौती है। जिसको रोकने के लिए हम सभी को सजग होकर निगरानी करनी पड़ेगी। जिससे मानव तस्करी को रोका जा सके। वर्तमान में मानव तस्कर विभिन्न प्रकार के हथकंडे अपना कर मानव तस्करी का अंजाम देने पर लगे हुए हैं। स्कूल के ड्रेस में भी बच्चियों एवं बच्चों को

भेजा जाता है, बसों का संचालन करने वाले ट्रैवलिंग एजेंट भी इसमें शामिल हो सकते हैं। ऐसे में हमारे सुरक्षाकर्मी अपने कड़ी निगरानी से बच्चों एवं बच्चियों को मानव तस्करी से बचाया जा सकता है। इस कार्यशाला के दौरान मानव सेवा संस्थान सेवा के कार्यक्रम समन्वयक रोहनसेन द्वारा प्रोजेक्टर के माध्यम से डीसीआरबी रिपोर्ट प्रस्तुत कर व्यख्यान दिया गया। कार्यशाला में जिला प्रोबेशन अधिकारी विनोद रॉय, मानव सेवा संस्थान के जय प्रकाश गुप्ता, राम नरेश यादव, एएचटीयू के उप निरीक्षक जेपी राव, उपनिरीक्षक तरुण शुक्ला, सहित जनपद के समस्त थानो से आये बाल कल्याण पुलिस अधिकारीगण, एएचटीयू, एसजेपीयू के अधिकारी व कर्मचारीगण तथा एसएसबी 43 वीं वाहिनी के निरीक्षक व जवानों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

# जिला स्तरीय पोषण समिति एंव डिस्ट्रिक्ट कनवर्जेन्स प्लान कमेटी की बैठक सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पोषण समितिधडिस्ट्रिक्ट कनवर्जेन्स प्लान कमेटी की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार द्वारा विगत माह के बैठक की अनुपालन आख्या की समीक्षा की गयी। आंगनबाड़ी केन्द्रो पर शौचालय निर्माण के प्रगति की समीक्षा की गयी। मुख्य विकास अधिकारी ने संबधित अधिकारी को शेष शौचालयों का निर्माण कार्य पूर्ण कराने का निर्देश दिया। इसके साथ ही साथ आंगनबाड़ी केन्द्रो के भवन निर्माण के प्रगति की समीक्षा की गयी। मुख्य विकास अधिकारी ने सीडीपीओ को सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण करने तथा पोषण वाटिका विकसित कराने का निर्देश दिया। समस्त सी.डी.पी.ओ. को निर्देश दिया कि कुपोषित बच्चो को चिन्हित कर पोषित बच्चो की श्रेणी में लाने हेतु तथा अति कुपोषित बच्चों को एनआरसी में भर्ती कराने का निर्देश दिया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिया कि 0–5 वर्ष के बच्चों को चिन्हित कर उनका आधार कार्ड बनवाना सुनिश्चित करें। सभी सीडीपीओ एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्री प्रेरणा एप तथा पोषण ट्रैकर एप इन्स्टाल कर लें और नियमित फीडिंग करते रहें। आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं आशा के माध्यम से एनीमिया ग्रसित बालिकाओ को चिन्हित कर उन्हें पोषाहारध्दवा समय से उपलब्ध कराये। समस्त बाल विकास परियोजना अधिकारी को निर्देश दिया कि क्षेत्र में भ्रमण करते रहे। इस बैठक में उपरोक्त के अतिरिक्त प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारी संजय कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी देवेन्द्र कुमार पाण्डेय, जिला पूर्ति अधिकारी बृजेश कुमार मिश्र, सी0डी0पी0ओ0 व अन्य संबधित अधिकारी उपस्थित थे।

# कपिलवस्तु महोत्सव में स्टाल के लिये करें आवेदन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। वर्षो की भाँति कपिलवस्तु महोत्सव का अयोजन दिनांक 29 दिसम्बर 2022 से दिनांक 02 जनवरी, 2022 तक प्रस्तावित है जिसमें फूड जोन के अन्तर्गत राजस्थानी, दक्षिण भारतीय, पंजाबी तथा स्थानीय व्यजनों एवं चाय, काफी, चाट, आईसकीम तथा मिठाई आदि व कालानमक चावल से बनने वाले व्यंजनों के स्टॉल लगाया जाना है।स्टॉल लगाने हेतु इच्छुक व्यक्ति जिला पूर्ति कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में दिनांक 22 दिसम्बर 2022 के सायकाल 5.00 बजे तक निर्धारित प्रारूप पर आवेदन पत्र सहित उपस्थित होकर स्टॉल शुल्क रु० 6000 जमा करके अपना स्टाल आवंटन करा सकतें हैं। स्टाल का आवंटन प्रथम आवत के आधार पर किया जायेगा। प्रत्येक प्रतिष्ठानध्दुकान फूडजोन के अन्दर निर्धारित स्थान पर लगाना अनिवार्य होगा। यदि छोटा दुकान (ठेला) लगाने हेतु इच्छुक विक्रेता हेतु शुल्क 3000.00 रखा गया है। विस्तृत जानकारी के लिए दूरभाष 7905581388 पर सम्पर्क कर सकते हैं।उक्त आशय की जानकारी वृजेश कुमार मिश्र जिला पूर्ति अधिकारी, सिद्धार्थनगर ने अपने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दिया है।

# पुलिस अधीक्षक ने किया पुलिस चौकी कुर्थिया भवन का उद्घाटन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी / सिद्धार्थनगर। खेसरहा थाना क्षेत्र स्थित पुलिस चौकी कुर्थिया के लिए बनाए गए नवनिर्मित भवन का उद्घाटन पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द ने बुधवार को फीता काट कर किया। जनसहयोग द्वारा बनवाये गए पुलिस चौकी भवन के उद्घाटन समारोह के उपलक्ष्य में आयोजित भण्डारा के दिन दोपहर बाद कुर्थिया पहुंचे पुलिस अधीक्षक ने चौकी भवन का निरीक्षण किया। बतौर मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक ने विद्वान पंडित राम बृक्ष पाण्डेय के द्वारा बताए गए बिधि के अनुसार वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भवन में लगाए गए शिलापट का पूजन–अर्चन किया। शिलापट के अनावरण के साथ उन्होंने भवन में बने कार्यालय का फीता काट कर उद्घाटन भी किया। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कप्तान ने कहा कि लोगों को त्वरित पुलिस सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से थाने से दूरी अधिक होने के कारण कुर्थिया में 29 वर्ष पूर्व रिपोर्टिंग पुलिस चौकी की स्थापना 5 मई 1993 को उस समय पुलिस अधीक्षक रहे डॉक्टर चंद्रिका राय के हाथों सम्पन्न हुआ था। बर्षों से पुलिस के जवान अपना भवन न होने के कारण यहां विषम परिस्थितियों में रहकर क्षेत्र में शान्ति व्यवस्था बनाए रखने के साथ पीडितों को न्याय दिलाने का कार्य कर रहे थे। परन्तु क्षेत्रीय लोगों के सहयोग से पुलिस चौकी चलाने हेतु आवश्यक सुविधाओं से परिपूर्ण पुलिस को इतना बड़ा भवन मिला यह पुलिस और जनता के बीच मित्रता का बडा मिशाल है। उन्होंने इस महान कार्य में परोक्ष अथवा अपरोक्ष रुप से सहयोग करने वाले सभी की सराहना करते हुए सभी के प्रति आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने मौजूद प्रधानों से सुरक्षा के दृष्टिगत अपने गांवों के चौराहों पर सीसीटीवी लगवाने का सुझाव भी दिया। कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ, सीओ देवी गुलाम सिंह, सीओ सदर अखिलेश वर्मा, ट्रेनी सीओ–गर्वित सिंह, थानाध्यक्ष भानुप्रताप सिंह, शिवनगर इंस्पेक्टर– ज्ञानेंद्र कुमार राय, बांसी इंसपेक्टर–वेदप्रकाश श्रीवास्तव, चौकी प्रभारी–अमित कुमार, महिला आरक्षी अंशु शर्मा व पुलिस चौकी कुर्थिया के समस्त पुलिस स्टाफ सहित बडी संख्या में अन्य पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों के अलावा विश्वनाथ पाण्डेय, रामनेवास चौधरी, बृजेश चौधरी, घनश्याम लोधी, अनिल कुमार पासवान, शैलेश कुमार पाण्डेय, बनारसी, मुन्नी लाल, अजय कुमार मिश्र, बलिराम चौधरी, पुसई तिवारी, राममिलन चौधरी, आदि बडी संख्या में अन्य क्षेत्रीय सम्माननीय भी मौजूद रहे।

# सीएमओ ने प्राथमिक स्वास्थ्य उपकेंद्र करौंदा मसिना का किया औचक निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जोगिया क्षेत्र प्राथमिक स्वास्थ्य उपकेंद्र करौंदा मसिना का सीएमओ डॉ बीके अग्रवाल ने किया औचक निरीक्षण वहां

के सी एच ओ को दिया आवश्यक दिशा निर्देश जिले में फैल रहे गंभीर बीमारी डेंगू मलेरिया जैसी बीमारियों की रोकथाम के लिए बुधवार को सीएमओ सिद्धार्थनगर डॉ बीके अग्रवाल अपनी टीम के साथ प्राथमिक स्वास्थ्य उपकेंद्र करौंदा मसिना पहुंचे जहां उन्होंने मरीज रजिस्टर चेक किया और अस्पताल परिसर का जायजा लिया और आवश्यक दिशा निर्देश अधीक्षक जोगिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डॉ आशीष अग्रहरी को देते हुए कहा कि उपकेंद्र की साफ सफाई वा मरीजों को बेहतर दवाइयां उपलब्ध होनी चाहिए जिससे ग्रामीण लोगों को इलाज करवाने के लिए कोई परेशानी ना हो इस दौरान सीएमओ डॉ बीके अग्रवाल सहित यूनिसेफ से अमित शर्मा प्रमोद संत जोगिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक आशीष अग्रहरी सी एच ओ शारदा कुमारी मौजूद रहे।

# जिला मुख्यालय का रौनक बढ़ाया राधा कृष्णा उपवन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिला मुख्यालय पर राधा कृष्णा उपवन से रौनक हो रहा है शहर सिद्धार्थनगर नगर चेयरमैन श्याम बिहारी जायसवाल के नेतृत्व में पालिका सिद्धार्थनगर की अनूठी पहल के अंतर्गत सिंघेश्वरी माता मंदिर परिसर में राधा कृष्ण वाटिका का विकास किया गया है,जिसके अंतर्गत किशनगढ़ से संगमरमर की राधा कृष्ण की मूर्ति एवं मंदिर को स्थापित किया गया। इसके साथ ही साथ यहां पर मंदिर की प्राचीन परंपरा के अंतर्गत व्यायाम शाला,ओपन जिम,बच्चों के लिए झूले आदि का प्रबंधन करने का लक्ष्य रखा गया है। युवाओं के लिए रनिंग पाथवे विकसित किया गया है। इस तरह से धर्म,संस्कृति, मनोरंजन के साथ स्वास्थ्य का भी संरक्षण करने का भरपूर ध्यान रखा गया है। इसमें तीन पेड़ आंवले के भी है, जहां पर लोग बैठकर धार्मिक क्रियाकलाप करते हैं। बगीचे के तौर पर विकसित पार्क प्रकृति, पर्यावरण को संरक्षित करते हुए मंदिर अनुपम उदाहरण पेश कर रहा है। गौरतलब है कि मंदिर में प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालुओं की भीड़ आती है, श्रद्धालुओं के साथ बच्चे भी आते हैं जो मनोरंजन का भरपूर लाभ उठाएंगे। मंदिर के महंत अशोक शास्त्री ने इसके लिए चेयरमैन श्याम बिहारी को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि ऐसे पवित्र कार्य करने से निसंदेह मंदिर की शोभा बढ़ती है और शहर विकसित होता है।

## सम्पादकीय

# आदिवासी या वनवासी

**क्या वह यह नहीं जानते हैं कि इसके दुष्परिणाम होंगे जब हमारे पास हमारे जल जंगल जमीन ही नहीं होंगे तो पर्यावरण प्रदूषण, ग्लोबल वार्मिंग, ओजोन लेयर में ह्रास से उपजे वीभत्स दृश्य कभी बाढ़, कभी सूखा, कभी बेहद गर्मी, कभी बर्फबारी, कभी भूस्खलन, कभी भूकंप जैसे प्राकृतिक घटनाओं से अपने जन और धन ...**

आजकल आदिवासी समाज को मुख्यधारा में लाने के लिए उनको बनवासी बनाया जा रहा है एवं कई तरीकों के प्रलोभन देकर उनको शहरीकरण से जोड़ा जा रहा है ताकि वह आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि आदि के लिए बहुराष्ट्रीय कंपनियों का खरीददार बन सके और बहुराष्ट्रीय कंपनियों को कमा कर दे सके। किसी भी देश का आदिवासी ही मुख्य होता है जो सदियों पुरानी सभ्यता और संस्कृति को अपने जीवन से जोड़ कर रखता है और पीढियों से प्राप्त ज्ञान को आगे तक ले जाता है हमने उनको जानने और समझने के बजाय उनको ही खत्म करने की फुलप्रूफ कोशिश करना चालू कर दी है। आदिवासी समाज जिनके अपनी एक जीवन शैली थी और जो प्राकृतिक रूप से आधारित अपनी नियम कानूनों पर रहता था अब उसका भी उपभोक्ता बाद से जोड़ा जा रहा है ताकि सरकार उनको सुविधाओं के नाम से छल कर सके और उनके जल जंगल जमीन और उसकी उपज को छीन करके अपना और बहुराष्ट्रीय कंपनियों का अधिकार स्थापित कर सकें। वर्तमान में कई जातियां जैसे कि ओबीसी, एससी, सवर्ण समाज के कुछ समुदाय, मुस्लिम वर्ग आदि वर्तमान की सत्ता से नाखुश है और उनके विरोध में जाकर अपना प्रदर्शन कई तरीके से कर रही है। अतरू वर्तमान की सत्ता इन भोले–भाले आदिवासियों का उपयोग वोट बैंक के तौर पर और उसकी मजबूती के लिए करना चाह रहे हैं। इन सबके बाद भी सरकार का जी नहीं भर रहा है तो वह विपक्ष के आदिवासी नेताओं पर कई तरीके के जिन्होंने आरोप लगाकर के उन को मानसिक रूप से परेशान कर रही है और उनको इतना अधिक परेशान किया जा रहा है कि या तो वह अपना राजनीतिक जीवन खत्म कर दें या उनकी पार्टी में जाकर शामिल हो जाएं कितना अधिक गिर गई है ना सत्ता अपने वोट बैंक के लिए और सम्राट बनने के लिए। सरकार के अंतिम उपभोक्ता तक सुविधाएं देने की साजिश लगता यही है उनको एक इंसान नहीं सिर्फ एक उपभोक्ता के रूप में देखा जा रहा है । समान जीवन शैली का बादशाहत हो रही है जिससे हमारे प्राकृतिक संसाधनों का अभाव होता जा रहा है और हम विदेशों से आयातित या कम्पनियों द्वारा निर्मित उत्पादों पर आश्रित होते जा रहे हैं । आदिवासी समाज का विकास होना भी आवश्यक है लेकिन क्या हम उनका यह विकास उन्हीं के क्षेत्रों को विकसित और सुविधा सम्पन्न करके नहीं दे सकते हैं ? क्या उनसे उनके जल, जंगल, जमीन को छीन करके उन्हें वहां से बेदखल करके ही हम अपना विकास देखते हैं? बहुराष्ट्रीय कंपनियों को तो करोड़ों एकड़ जमीन चाहिए अपने इंफ्रास्ट्रक्चर को विकसित करने के लिए पूंजी पतियों की भूख कभी खत्म नहीं होती जो डॉलर को इकट्ठा करके अंतरराष्ट्रीय बैंकों में रखने के लिए काम कर रहे हैं एवं सत्ता को अपनी उंगलियों पर नचा रहे हैं। क्या वह यह नहीं जानते हैं कि इसके दुष्परिणाम होंगे जब हमारे पास हमारे जल जंगल जमीन ही नहीं होंगे तो पर्यावरण प्रदूषण, ग्लोबल वार्मिंग, ओजोन लेयर में ह्रास से उपजे वीभत्स दृश्य कभी बाढ़, कभी सूखा, कभी बेहद गर्मी, कभी बर्फबारी, कभी भूस्खलन, कभी भूकंप जैसे प्राकृतिक घटनाओं से अपने जन और धन की हानि होते देख रहे हैं। दिन प्रतिदिन आम जनता के लिए रहने और खेती करने के लिए जमीन कम होती जा रही है वह पलायन के रूप में दर–दर भटक रहा है और कई सारी शहरीकरण से उपजे समस्याओं का शिकार हो रहा है जिसमें आत्महत्या, नशाखोरी, बेरोजगारी, सामाजिक पतन, चारित्रिक पतन हो रहा है। क्या इतनी सारी परेशानियों के बावजूद भी विकास, विकास, विकास का होना आवश्यक है? क्या वोट बैंक की मजबूती इतना अधिक मायने रखती है सत्ता के भूखों के लिए सत्य, अहिंसा और अपरिग्रह के सिद्धांतों को मानने वाली पवित्र भारत भूमि के वाशिंदों के लिए ।

# सर्वाधिक आबादी की चुनौती

तेजी से जनसंख्या में वृद्धि गरीबी उन्मूलन, भूख और कुपोषण से लड़ाई और शिक्षा– स्वास्थ्य सुविधाओं के प्रसार को और चुनौतीपूर्ण बना देती है। भारत को अभी से इन चुनौतियों की तरफ ध्यान देना होगा। अगले साल भारत दुनिया की सबसे अधिक आबादी वाला देश बन जाएगा। यह अनुमान संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी यूएनएफपीए का है। 2022 में भारत की आबादी 1.41 अरब तक पहुंच चुकी है। अभी चीन की जनसंख्या 1.43 अरब है। अभी जनसंख्या वृद्धि की जो रफ्तार है, उसके हिसाब से 2050 में भारत की जनसंख्या 1.67 अरब हो जाएगी। लेकिन चीन की आबादी तब 1.32 अरब ही होगी। तो यह अनुमान निराधार नहीं है कि ज्यादा आबादी भूख और गरीबी जैसी चुनौतियों को और गंभीर कर सकती है। इसीलिए बहुत तेजी से जनसंख्या में वृद्धि गरीबी उन्मूलन, भूख और कुपोषण से लड़ाई और शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के प्रसार को और चुनौतीपूर्ण बना देती है। भारत को अभी से इन असली चुनौतियों की तरफ ध्यान देना होगा। विशेषज्ञों ने उचित सलाह दी है कि भारत सरकार विकास को समान और टिकाऊ रूप से सब तक पहुंचाने की योजना बनानी चाहिए। इसके लिए सरकार की आर्थिक, सामाजिक और शैक्षिक नीतियों में सुधार की जरूरत है। सार यह कि आने वाले समय में भारत को बढ़ती और बूढ़ी होती आबादी की जरूरतें पूरी करने के लिए उपाय करने होंगे। इनमें सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाएं और सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था में सुधार जैसी बातें शामिल होंगी। पिछले साल भारत में बुजुर्गों की जनसंख्या 13.8 करोड़ पर थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी विभाग के मुताबिक 2030 तक इस आयुवर्ग में 19.4 करोड़ लोग होंगे। यानी इस उम्र वर्ग की आबादी में 41 प्रतिशत की वृद्धि होगी। इस तेजी से बूढ़ी होती जनसंख्या के सामने उपेक्षा, अकेलापन और वित्तीय परेशानियों जैसी कई समस्याएं होंगी। शोध दिखाते हैं कि फिलहाल 26.3 प्रतिशत बुजुर्ग आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हैं। 20.3 प्रतिशत बुजुर्ग ऐसे हैं, जो आर्थिक रूप से किसी अन्य पर निर्भर हैं, जबकि 53.4 फीसदी बुजुर्ग अपने बच्चों पर निर्भर हैं। अभी तो भारत को एक युवा देश कहा जाता है। उसकी 55 प्रतिशत जनसंख्या 30 या उससे कम वर्ष की है, जबकि एक चौथाई आबादी अभी 15 वर्ष की भी नहीं हुई है। जनसांख्यिकीय अनुपात से मिलने वाले इस लाभ को आर्थिक लाभों में तब्दील करने के लिए विशेष प्रयासों की जरूरत है। सवाल है कि क्या भारत इन चुनौतियों के लिए खुद को तैयार कर पाएगा?

# एम्स पर साइबर हमला

**नेट बैंकिंग की जानकारी इससे हासिल हो सकती है। आपके फोन पर आने वाले ओटीपी हमलावरों को पता चल सकते हैं। एम्स पर हुए साइबर हमले से करोड़ों लोगों के डेटा चोरी होने का खतरा बढ़ गया है। यह हमला रोका जा सकता था, अगर सरकार ने सावधानी के कदम पहले उठाए होते। जब देश का इतना बड़ा सरकारी संस्थान साइबर हमले का शिकार हो सकता है, तो यह हमारे देश में साइबर सुरक्षा की ...**

देश के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान यानी एम्स का सर्वर पिछले एक हफ्ते से डाउन है। सर्वर डाउन होने का मतलब कंप्यूटर जनित सभी सेवाओं का ठप्प होना है। मरीजों के पंजीकरण से लेकर ओपीडी और नमूना संग्रह सेवाएं सभी प्रभावित हुई हैं। सर्वर डाउन की यह समस्या बिजली जाने, तार कटने या, इंटरनेट गायब होने या ऐसी किसी तकनीकी गड़बड़ी से नहीं हुई है। बल्कि यह पूरे सिस्टम के हैक होने से हुई है। आसान शब्दों में कहें तो साइबर दुनिया के डकैतों ने देश के सबसे बड़े अस्पताल पर धावा बोला है, और उसकी उस तिजोरी पर हमला किया है, जहां कई जरूरी चीजें गोपनीय और सुरक्षित रखी हुई थीं। लेकिन अब वो साइबर डकैतों के हाथ लग चुकी होंगी, ऐसी आशंका जतलाई जा रही है। गौरतलब है कि एम्स पर रेनसमवेयर साइबर हमला पिछले हफ्ते हुआ था। जानकार इसे भारत पर सबसे बड़े साइबर हमलों में से एक करार दे रहे हैं, क्योंकि एम्स में देश भर के करोड़ों मरीज रोजाना इलाज के लिए आते हैं। उन मरीजों की जानकारियां एम्स के कम्प्यूटर सिस्टम में दर्ज हैं, जो अब हमलावरों के हाथ लग सकती हैं। एम्स में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, पूर्व प्रधानमंत्री डा.मनमोहन सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव जैसी कई बड़ी हस्तियों का भी इलाज हो चुका है और इनके व्यक्तिगत विवरण भी यहां दर्ज हैं। खबर थी कि साइबर हमलावरों ने इस हमले के बदले 2 सौ करोड़ रूपए की फिरौती की मांग की है, वो भी क्रिप्टोकरंसी में। हालांकि दिल्ली पुलिस ने इस बात से इंकार किया है कि कोई फिरौती मांगी गई है। फिलहाल कई जांच एजेंसियां इस हमले की तह तक जाने में लगी हुई हैं, लेकिन छह दिनों बाद भी कोई सफलता नहीं मिली है। भारत पहले भी साइबर हमलों का शिकार हो चुका है। इस साल मई में स्पाइसजेट पर रेनसेमवेयर हमला हुआ था, जिस वजह से कई उड़ानें देरी से चलीं या रद्द हुई थीं। इससे पहले सरकारी तेल कंपनी ऑयल इंडिया लिमिटेड पर असम में बड़ा साइबर अटैक हुआ था, जो नाइजीरिया स्थित सर्वर से रूसी मालवेयर के जरिए किया गया था। 2021 में टेक महिंद्रा के पिंपरी–छिंदवाड़ स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट से जुड़े 27 सर्वर पर हमला किया गया था, इससे कंपनी को 5 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ था। इसके बाद सिस्टम को सुरक्षित करने के लिए कंपनी ने फायरवॉल पर 15 करोड़ रुपए खर्च किए। अक्टूबर 2020 में नमकीन बनाने वाली कंपनी हल्दीराम के सर्वर पर भी रैनसमवेयर अटैक हुआ था, तब हमलावरों ने 7.5 लाख डॉलर की फिरौती मांगी थी। 2019 में हैकर्स ने आंध्र प्रदेश और तेलंगाना की बिजली वितरण कंपनियों के कंप्यूटर सिस्टम में रॉबिनहुड रैनसमवेयर के जरिए सेंध लगाई, तब 6 बिटकॉइन (उस समय लगभग 24 लाख रुपए) की फिरौती मांगी गई थी। इस दौरान 3.5 लाख ग्राहकों का डेटा खतरे में रहा था। 2017 में, दुनिया भर के कंप्यूटर वान्नाक्राई और पेटया नाम के साइबर हमले से प्रभावित हुए थे। भारत सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाले देशों में से एक था, क्योंकि यहां लगभग 48 हजार साइबर हमले हुए थे, लेकिन इतना कुछ होने के बाद भी देश में साइबर हमलों से बचने का कोई प्रभावी तंत्र तैयार नहीं हो सका है। सरकार देश में डिजिटल क्रांति लाने का दावा करती है। यह सही है कि देश में इंटरनेट और स्मार्ट फोन दोनों का बाजार काफी बढ़ गया है। पढ़ाई से लेकर इलाज, व्यापार, मनोरंजन, पर्यटन तक हर क्षेत्र में डिजिटल माध्यमों का उपयोग हो रहा है। बच्चे आंख खोलना सीखने से पहले स्मार्ट फोन चलाना सीख रहे हैं, ककहरा पढ़ने से पहले कोडिंग की कक्षाएं लेने लगे हैं। लेकिन यह केवल तस्वीर का एक पहलू है। दूसरा पहलू यह है कि संचार क्रांति आने से अगर सूचनाओं के आदान–प्रदान में तेजी आई है, तो इसके साथ ही गोपनीय जानकारियों के लीक होने का खतरा भी उसी तेजी से बढ़ा है। पुराने जमाने में शासक अपनी सत्ता बचाने या बढ़ाने के लिए शत्रु देशों के दरबार में जासूसों को रखवाते थे। जासूसी का यह हथकंडा अब भी अपनाया जाता है, फर्क यह है कि अब इंसानों के साथ–साथ साइबर जासूसी भी होने लगी है। साइबर जासूसी से आम और खास लोगों के निजी आंकड़े हासिल किए जा सकते हैं। फिर इनका मनचाहा उपयोग अंतरराष्ट्रीय बाजार में होता है। एम्स पर हुए हमलों के बाद अब जांच एजेंसियां इस बात की पड़ताल कर रही हैं कि एम्स में जो बैकअप डेटा है, वो पूरी तरह से ठीक है है या नहीं। उसकी किसी फाइल तक तो हैकर नहीं पहुंचे हैं। क्योंकि अगर ऐसा होता है तो फिर देश के विशिष्ट लोगों के साथ करोड़ों आम लोगों और एम्स के विदेशी मरीजों के आंकड़े हैकर्स के पास आ जाएंगे, जिनका गलत इस्तेमाल संभव है। यह आंकड़े अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेचे जा सकते हैं। इससे स्मार्ट फोन के हैक होने, उपभोक्ता के कैमरे और माइक तक पहुंच होने का खतरा बढ़ जाता है। पेगासस जासूसी कांड को इसी तरह अंजाम दिया गया था। आपके कंप्यूटर पर, आपके मेल पर आपकी जानकारी के बिना कोई ड्राफ्ट लिखा जा सकता है। आपकी पसंद–नापसंद के मुताबिक विज्ञापन आपको स्क्रीन पर नजर आने लगेंगे। अगर किसी मरीज की बीमारी को गोपनीय रखना हो, तो ऐसे हमले उसे भी उजागर कर सकते हैं। डेटा का इस्तेमाल चुनावों को प्रभावित करने के लिए भी किया जा सकता है। नेट बैंकिंग की जानकारी इससे हासिल हो सकती है। आपके फोन पर आने वाले ओटीपी हमलावरों को पता चल सकते हैं। एम्स पर हुए साइबर हमले से करोड़ों लोगों के डेटा चोरी होने का खतरा बढ़ गया है। यह हमला रोका जा सकता था, अगर सरकार ने सावधानी के कदम पहले उठाए होते। जब देश का इतना बड़ा सरकारी संस्थान साइबर हमले का शिकार हो सकता है, तो यह हमारे देश में साइबर सुरक्षा की स्थिति कैसी है, यह समझना कठिन नहीं है।

# शेषन की महत्ता बरकरार

**शेषन को यह सुझाव बहुत पसंद आया और हम सबने मिलकर इसकी विस्तृत नियमावली तैयार की और उसके हजारों पर्चे छपवा कर देश भर में बंटवाए। इसका अच्छा असर हुआ और देश के अलग–अलग हिस्सों में श्जन चुनाव आयोगोंश का गठन भी होने लगा। मेरा सुझाव था कि सेवानिवृत्त हो कर शेषन जन चुनाव आयोगश के मुख्य चुनाव आयुक्त बनें जिससे देश में स्थापित हो चुकी उनकी...**

विनीत नारायण

पिछले आठ वर्षो से चुनाव आयोग की कार्यशैली को लेकर विपक्षी दलों में ही नहीं, बल्कि लोकतंत्र में आस्था रखने वाले हर जागरूक नागरिक के मन में भी अनेक प्रश्न खड़े हो रहे थे। सर्वोच्च न्यायालय ने अचानक चुनाव आयुक्त अरुण गोयल की नियुक्ति की फाइल मांग कर भारत सरकार की स्थिति को असहज कर दिया है पर इसका सकारात्मक संदेश देश में गया है। सर्वोच्च न्यायालय ने चुनाव आयोग की विवादास्पद भूमिका पर टिप्पणी करते हुए 1990–96 में भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त रहे टीएन शेषन को याद किया है, और कहा है, श्देश को टीएन शेषन जैसे व्यक्ति की जरूरत हैच। इत्तेफाक ही है कि पिछले कुछ वर्षो में जो भी मुख्य चुनाव आयुक्त बने या चुनाव आयुक्त बने उन सबसे मेरी अच्छी मित्रता रही है। मित्रता का लाभ उठा कर मैंने उन्हें बार–बार सचेत किया कि उनकी छवि वैसी नहीं बन पा रही जैसे शेषन की थी। अरु ण गोयल की नियुक्ति की फाइल मांगने पर सरकार का कहना है कि सर्वोच्च न्यायालय को ऐसा करने का अधिकार नहीं है। यहां मैं याद दिला दूं कि अपने कार्यकाल में एक समय ऐसा आया था जब शेषन को भी सर्वोच्च न्यायालय की फटकार सहनी पड़ी थी। उस दिन वे बहुत आहत थे। रोज की तरह जब मैं दिल्ली के पंडारा रोड स्थित उनके निवास पर गया तो वे मेरे कंध े पर सिर रख कर कुछ क्षणों के लिए रो पड़े थे क्योंकि उनके अहम को चोट लगी थी। मैंने उन्हें ढाढ़स बंधाते हुए कहा कि आप भी संवैधानिक पद पर हैं, इसलिए आपको इसका प्रतिकार करना चाहिए पर उनके वकीलों ने उन्हें समझाया कि लोकतंत्र के हर खंबे का काम एक दूसरे पर निगाह रखना होता है। कोई भी खंभा निरंकुश होता है, तो लोकतंत्र कमजोर हो जाता है। बात वहीं समाप्त हो गई। यहां इस घटना का उल्लेख करना इसलिए जरूरी है कि आज कार्यपालिका पर सर्वोच्च न्यायालय ने जो टिप्पणी की है, या जो फाइल मंगाई है, उसका ठोस आधार है, और इसलिए सरकार को पूरी जिम्मेदारी से अदालत के साथ सहयोग करना चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय ने यह टिप्पणी 2018 से लंबित कई जनहित याचिकाओं की संवैधानिक पीठ के सामने

चल रही सुनवाई के दौरान की है। याचिकाओं में मांग की गई है कि चुनाव आयोग के सदस्यों का चयन भी कॉलेजियम की प्रक्रिया से होना चाहिए। इस बहस के दौरान पीठ के अध्यक्ष न्यायमूर्ति जोसेफ ने कहा कि यह चयन सर्वोच्च न्यायालय के श्विनीत नारायण बनाम भारत सरकारश्च फैसले के अनुरूप भी क्यों नहीं हो सकता है जिससे चयनकर्ता समिति में तीन सदस्य हों, भारत के मुख्य न्यायाधीश, प्रधानमंत्री और लोक सभा में नेता प्रतिपक्ष। यह मांग सर्वथा उचित है क्योंकि चुनाव आयोग का वास्ता देश के सभी राजनैतिक दलों से पड़ता है। अगर उसके सदस्यों का चयन केवल सरकार करती है, तो जाहिरन ऐसे अधिकारियों को चुनेगी जो उसके इशारे पर चलें। वैसे तो शेषन का चुनाव भी मौजूदा प्रणाली से ही हुआ था पर तब केंद्र में अल्पमत की चंद्रशेखर सरकार थी। शायद इसलिए भी शेषन चुनाव सुधारों के लिए वो सब कर सके जो किसी एक बड़े दल के द्वारा चुने जाने पर कर पाना शायद संभव नहीं होता। उल्लेखनीय है कि शेषन के पहले तो चुनाव आयोग का वजूद तक आम आदमी नहीं जानता था। उन दिनों चुनावों हिंसा और बूथ कैप्चरिंग आम बात हो चुकी थी। राजनीति में अचानक गुंडे और माफिया का दखल बहुत बढने लगा था जिससे देश में चिंता व्यक्त की जा रही थी। इस माहौल को बदलने के लिए शेषन ने चुनाव सुधार करने की ठानी। दरअसल, सरकारी तंत्र आसानी से कोई क्रांतिकारी काम नहीं होने देता इसलिए शेषन ने चुनाव सुधारों को मूर्त रूप देने के लिए श्थिंक टैंकच्च के रूप में श्देशभक्त ट्रस्टच्च की स्थापना की जिसके अध्यक्ष वे स्वयं बने और उनकी पत्नी जयालक्ष्मी शेषन और मैं ट्रस्टी बने। ट्रस्ट का पंजीकृत कार्यालय हमारे श्कालचक्र समाचारच्च के दिल्ली में हौज खास स्थित कार्यालय ही था। हमारे कार्यालय में शेषन के साथ इन विषयों पर गंभीर चर्चा करने देश भर से बुद्धिजीवी, मीडिया समूहों के मालिक, सामाजिक कार्यकर्ता उद्योगपति और वरिष्ठ अधिकारी नियमित रूप से आते थे। शेषन और मैं लगातार देश के कोने–कोने में जा कर विशाल जनसभाओं को चुनाव सुधारों के बारे में जागृत करते थे। इस मैराथन प्रयास का बहुत अच्छा असर हुआ। शेषन के कड़े रवैये से राजनैतिक दलों में खलबली मच गई। जब शेषन दंपति एक महीने के अमेरिकी प्रवास पर थे तो नरसिंह राव सरकार ने चुनाव आयोग को एक से बढ़ा कर तीन सदस्यीय कर दिया। दो नये सदस्य शेषन के पर कतरने के लिए लाए गए थे। शेषन ने अमेरिका से फोन करके मुझ से कहा, श्नरसिंह राव ने मेरे साथ धोखा किया है। मैं बहुत आहत हूं। क्या करूं? तुम सोच कर रखो हम अगले हफ्ते तक भारत लौट रहे हैंच चूंकि 1993 से जैन हवाला कांड को उजागर कर मैं भी देश में राजनीतिक शुचिता के लिए संघर्ष कर रहा था, इसलिए उनके आने पर मैंने सुझाव दिया, श्हम देश भर में हर कस्बे, नगर और प्रांत में श्जन चुनाव आयोगोंच्च का गठन करें जिनमें उस क्षेत्र के उन प्रतिष्ठित लोगों को सदस्य बनाया जाए जिनका कभी किसी राजनैतिक दल से कोई नाता न रहा होच इन सैकड़ों श्जन चुनाव आयोगोंच्च का गठन इस उद्देश्य से किया जाना था कि ये अपने इलाके के हर चुनाव पर निगाह रखें और उनमें नैतिकता लाने का प्रयास करें। शेषन को यह सुझाव बहुत पसंद आया और हम सबने मिलकर इसकी विस्तृत नियमावली तैयार की और उसके हजारों पर्चे छपवा कर देश भर में बंटवाए। इसका अच्छा असर हुआ और देश के अलग–अलग हिस्सों में श्जन चुनाव आयोगोंच्च का गठन भी होने लगा। मेरा सुझाव था कि सेवानिवृत्त हो कर शेषन श्जन चुनाव आयोगच्च के श्मुख्य चुनाव आयुक्तच्च बनें जिससे देश में स्थापित हो चुकी उनकी ब्रांडिंग का लाभ उठा कर चुनाव सुधारों को जन आंदोलन का रूप दिया जा सके पर राव के रवैये से आहत होने के बावजूद शेषन इस्तीफा देने को तैयार नहीं थे।

# वैवाहिक समारोह से लौट रही जिला पंचायत सदस्य की गाड़ी पर हमला,बच्चे सहित भागकर बचाई जान

माधौगज,हरदोई। में वैवाहिक कार्यक्रम से घर वापस लौट रही महिला जिला पंचायत सदस्य की गाड़ी पर हमले का मामला सामने आया है।दरअसल महिला जिला पंचायत सदस्य अपनी बेटियों के साथ कार से वापस लौट रही थी तभी रास्ते में वाहन हटाने को लेकर हुई कहासुनी के बाद लोगों ने लाठी–डंडों से गाड़ी में तोड़फोड़ शुरू कर दी और ड्राइवर को पीटना शुरू कर दिया।ड्राइवर को पिटता देख कर बचाने गई जिला पंचायत सदस्य के साथ भी हमलावरों ने अभद्रता की।किसी तरह गाड़ी से भागकर जिला पंचायत सदस्य समेत सभी ने अपनी जान बचाई।मामले की सूचना के बाद पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है और 10 लोगों को हिरासत में लिया है।महिला जिला पंचायत सदस्य पर हमले का यह मामला हरदोई जिले के थाना माधौगंज इलाके में कस्बा माधौगंज का है।दरअसल कछौना द्वितीय से जिला पंचायत सदस्य पूजा पटेल कस्बा माधौगंज में गोमती मैरिज लॉन में एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने गयीं थी।वैवाहिक समारोह में शामिल होने के बाद पूजा पटेल अपने ड्राइवर और बेटियों के साथ कार से वापस अपने घर लौट रहीं थीं।रास्ते में नटपुरवा गांव के पास एक वैवाहिक समारोह में सड़क पर ही लोग डांस कर रहे थे साथ ही कई गाड़ियां भी सड़क पर खड़ी थीं। ऐसे में गाड़ी ना निकल पाने पर पूजा पटेल के ड्राइवर ने लोगों से हटने के लिए कहा,इसी बात को लेकर ड्राइवर के साथ हुई कहासुनी के बाद बारात में शामिल लोगों ने ड्राइवर को पीटना शुरू कर दिया साथ ही लाठी–डंडों से गाड़ी में तोड़फोड़ शुरू कर दी।ड्राइवर को बचाने दौड़ी पूजा पटेल के साथ भी हमलावरों ने अभद्रता की।किसी तरह हमलावरों के चंगुल से छूटने के बाद गाड़ी भगाकर ड्राइवर ने जिला पंचायत सदस्य और उनकी बेटियों की जान बचाई।मामले की शिकायत पूजा पटेल ने इलाकाई पुलिस से की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर लिया है साथ ही वारदात को अंजाम देने वाले 10 लोगों को हिरासत में लिया है और अग्रिम कार्रवाई में जुटी है।

# व्यापारियों की समस्याओं को प्राथमिकता पर निस्तारण कराया जायेगा: जिलाधिकारी

## दुर्घटनाओं की सम्भानाओं को कम करने के लिए तत्काल बाउण्ड्रीवाल पर रेडियम लगवायें-एमपी सिंह

हरदोई। कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय वाणिज्य बन्धु बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि जनपद के व्यापारियों की समस्याओं को प्राथमिकता पर लेते हुए समाधान कराया जायेगा और व्यापारियों को शासन द्वारा दी जाने वाले सभी सुविधाओं का लाभ संबंधित विभागों के माध्यम से दिलाया जायेगा। बैठक में व्यापारियों द्वारा विगत बैठक में नो एन्ट्री की ओपनिंग एवं क्लोजिंग 11 से 12 बजे तक छूट दिये जाने के संबंध में जिलाधिकारी ने कहा कि दिन नो एन्ट्री छूट से शहर में यातायात प्रभावित होगा और नगर में जाम की समस्या बढ़ेगी। जिन्दपीर चौराहा के निकट बने ओवर ब्रिज पर लगी बाउण्ड्रीवाल पर रेडीयम लगवाने के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने नगर पालिका परिषद तथा पीडब्लूडी विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि दुर्घटनाओं की सम्भानाओं को कम करने के लिए तत्काल प्रभाव से बाउण्ड्रीवाल पर रेडियम लगवायें और फोटो सहित आख्या उपलब्ध करायें। बैठक में व्यापारियों ने आबिद पेट्रोल पंप से जिन्पीर चौराहा तक ओवर ब्रिज, जिन्दपीर चौराहा से को मुड़ने वाली सड़क पर बड़े–बड़े गडढों, आवास विकास की टूटी पुलिया, पानी की टंकी आदि ठीक कराने की मांग पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका को निर्देश दिये कि व्यापारियों की सुविधाओं को देखते हुए पानी की टंकी एवं सड़कों को तत्काल गड्ढा मुक्त बनायें। बैठक में बिलग्राम चुंगी से मुन्ने मियां चौराहा तक प्रतिदिन लोकल फाल्ट के संबंध में अधिशासी अभियंता विद्युत ने जिलाधिकारी को बताया कि उक्त समस्या का समाधान कर दिया गया है, जिस पर सभी व्यापारियों ने सहमति व्यक्त की। बैठक में प्रभारी डिप्टी कमिश्नर वाणिज्य कर, एलडीएम वेद प्रकाश पाण्डेय सहित व्यापारी बन्धु आदि उपस्थित रहें।

# मिशन शक्ति के तहत ट्रैफिक के विषय में किया गया बच्चों को जागरूक

## बिना हेलमेट पापा को बाइक चलाने से रोकेंगे बच्चेस्कूल में लग रही ट्रैफिक की पाठशाला, पुलिस बच्चों को कर रही जागरूक

कछौना, हरदोई।मिशन महिला सशक्तिकरण के तहत विनय सरस्वती शिशु मंदिर समसपुर कछौना में गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में उपनिरीक्षक बृजेश सिंह के द्वारा बच्चों को सुरक्षा को लेकर जागरूक किया गया। उपनिरीक्षक बृजेश सिंह के द्वारा बच्चों को यातायात के नियमों का पाठ पढ़ाया गया। विद्यालय में पढ़ने वाले भैया बहनों वह गांव की महिलाओं आचार्यगणों को चाइल्ड हेल्पलाइन 112 व महिला हेल्पलाइन 1090 के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई और उनको यातायात के विषय में शपथ दिलाई गई।मैं कभी यातायात नियमों को नहीं तोड़ूंगा। हमेशा बाएं चलूंगा और सभी को हेलमेट के लिए प्रेरित करता रहूंगा।यह शपथ लगभग 200 छात्रों ने कछौना उपनिरीक्षक बृजेश सिंह व कछौना पुलिस की पाठशाला में ली। शिक्षकों और कछौना पुलिस ने उन्हें सुरक्षित सफर और ट्रैफिक नियमों की जानकारी दी।कछौना के समसपुर स्थित विनय सरस्वती शिशु मंदिर में सुबह कछौना पुलिस की पाठशाला लगी। जिसमें उपनिरीक्षक बृजेश सिंह ने कहा कि जब आप घर से निकलते हैं मां–बाप आपकी कुशलता की दुआ करते हैं।उनकी इस दुआ पर खरे उतरिए। सड़क पर हमेशा बाएं चलें। जल्दबाजी में भीड़ के समय साइकिल व दोपहिया वाहन इधर–उधर से न निकालें। दोपहिया वाहन पर हेलमेट व ड्राइविंग लाइसेंस अनिवार्य है। अपने घर के लोगों को भी यही बताएं।उपनिरीक्षक बृजेश सिंह ने बताया कि पुलिस स्कूली बच्चों को ट्रैफिक नियमों की जानकारी दे रही है।बिना हेलमेट के बाइक या बिना सीट बेल्ट लगाए कार चलाने वालों को उनके बच्चे ही टोकेंगे। यातायात नियमों का उलंघन एक तरफ जनलेवा साबित हो रहा दूसरी ओर लोग इसे शौक बनाते जा रहे हैं। कार चलाते वक्त सीट बेल्ट न लगाना लोगों को रुतबा लगता है। इसी तरह बिना हेलमेट के बाइक चलाना भी लोगों की शौक में सुमार होता जा रहा है। इतनी सख्ती के बाद भी लोग नियमों का पालन नही कर रहे।सीट बेल्ट, हेलमेट लगाने न लगाने से होने वाले नुकसान की जानकारी दी जा रही है। रोड सिग्नल, जेब्रा क्रासिंग, ट्रैफिक सिग्नल और वाहन चलाते वक्त ध्यान में रखने वाले अन्य नियमो के बारे में बताया जा रहा है। साथ ही बच्चों को सिखाया जा रहा कि वह किस तरह अपने मम्मी पापा या घर के बड़े गार्जियन को इन नियमों का उलंघन करने से रोक सकते हैं।

# अनियंत्रित टाटा सफारी खाई में गिरी,दो भाइयों समेत 3 की मौत

हरदोई।तिलक चढ़ा कर वापस लौट रहे दुल्हन के घर वाले हादसे का शिकार हो गए। उनकी टाटा सफारी गाड़ी बेहटा गोकुल थाने की मस्तीपुर पुलिया के पास खाईं में जा गिरी। जिससे उस पर सवार तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग बुरी तरह जख्मी हो गए। हादसा सोमवार की रात को होना बताया गया है।बताया गया है कि साण्डी थाने के पिण्डारी गांव निवासी 59 वर्षीय पट्टे पुत्र कल्लू,पट्टे का छोटा भाई 52 वर्षीय हिम्मत,9 वर्षीय नेहा पुत्री अशोक, 11वर्षीय हिमांशु पुत्र अशोक,10 वर्षीय विशोक पुत्र हिम्मत और 58 वर्षीय रामदेवी पत्नी रामेश्वर बेहटा गोकुल थाने के बेहटा धीरा तिलक चढ़ाने गए हुए थे। वहां के शोभित का तिलक था। बताते हैं कि तिलक के बाद सभी लोग टाटा सफारी से वापस लौट रहे थे। इसी बीच बेहटा गोकुल और मस्तीपुर के बीच मस्तीपुर पुलिया के पास मोड़ पर पहुंचते ही टाटा सफारी खाईं में जा गिरी। जिससे उस पर सवार हिम्मत,पट्टे और नेहा की वहीं पर मौत हो गई।

# महिला ने ससुराल वालों पर लगाया दहेज के लिये प्रताड़ित करने का आरोप

हरपालपुर,हरदोई।थाना क्षेत्र के कर्ता गांव निवासी महिला ने ससुराल जनो पर अतिरिक्त दहेज की मांग को प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए पति समेत पांच ससुराली जनों पर मुकदमा दर्ज कराया है।हरपालपुर थाना क्षेत्र के कर्ता गांव निवासी संध्या पुत्री श्याम सिंह ने थाने में दी गई तहरीर में बताया कि उसके पिता ने वर्ष 2017 में फर्रुखाबाद जनपद के पीडब्ल्यूडी कंपाउंड नियर कॉपरेटिव बैंक फतेहगढ़ निवासी रविकांत पुत्र शीशराम के साथ शादी की थी। शादी में विदा होकर अपनी ससुराल फतेहगढ़ गई। तब से सास सुषमा, मौसिया सास सुषमा, मौसेरी ननंद सपना उर्फ नीलम मौसिया ससुर बिरजू उसे दहेज में एक कार व पाँच लाख की नगदी की मांग करते हुए मारपीट कर प्रताड़ित करने लगे। उसने इस बात की जानकारी अपने माता पिता को दी। आर्थिक हालात कमजोर होने से उसके परिजन ससुराली जनों की मांग पूरी नहीं कर सके। पुलिस विभाग में सिपाही पद पर तैनात उसका पति 23 मई को छुट्टी पर आया। 15 जुलाई को पति समेत सभी ससुराली जनों ने गाली गलौज व मारपीट के बाद उसे घर से निकाल दिया। महिला अपने भाई संजीव के साथ अपने मायके चली आई। पीड़िताकी तहरीर पर पुलिस ने ससुराली जनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

# बालिका के साथ दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर। मुंगराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के एक गांव मे 26 नवम्बर को बारात देख रही आठ साल की बालिका के साथ दुष्कर्म करने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी युवक उसी गांव का ही रहने वाला है। मुंगराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के एक गांव मे बारात आई थी गांव की ही एक आठ साल की बालिका भी बारात देखने गई थी। देर रात तक बालिका अपने घर नही पहुंची तो घर वालों को चिंता हुई ।परिजन काफी देर तक खोजबीन करते रहे लेकिन वह नही मिली।सुबह भोर मे बालिका बेहोशी की हालत मे एक खेत मे मिली तो परिजनों के पैरों तले जमीन खिसक गई। परिजनों ने पुलिस को दुष्कर्म होने की जानकारी दी तो थानाध्यक्ष रमेश यादव मय फोर्स घटनास्थल पर पहुंचे और घटना के सम्बंध मे लोगो से जानकारी ली।इसी के साथ ही सीओ अतर सिंह भी पहुंच गए। तहरीर के आधार पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश कर रही थी कि गांव के ही कुछ लोगो को थाने मे लाकर कड़ाई से पूछताछ शुरू की तो आरोपी टूट गया और बालिका से दुष्कर्म की बात कुबूल की।पुलिस ने गांव के ही दुष्कर्म के एक 20 वर्षीय आरोपी को रायपुर पुलिया के पास से गिरफ्तार कर पास्को एक्ट सहित संबंधित धारा में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया है।

# प्रेमिका से मिलने गये युवक की हत्या में तीन गिरफ्तार

जौनपुर। खेतासराय में 3 दिन पूर्व फरीदपुर गांव में प्रेमिका से मिलने आये प्रेमी को परिजनों द्वारा लाठी डंडे से पीट–पीटकर मौत की नींद सुलाने वाले तीन हत्यारोपियों को पुलिस ने अब्बोपुर बाजार से गिरफ्तार कर लिया। आरोपित को संबन्धित धाराओं में चालान न्यायालय भेज दिया। ज्ञात हो कि लतीफपुर गांव निवासी धनबली बिंद (22) का पड़ोस के गांव फरीदपुर गांव निवासी एक किशोरी से करीब तीन वर्ष से प्रेम–प्रसंग चल रहा था। दोनों का ननिहाल एक ही गांव में था। इनके रिश्तों की जानकारी जब लड़की के स्वजनों को हुई थी तो परिजनों ने इसका काफी विरोध किया। गुपचुप तरीके से दोनों ने मंदिर में शादी भी कर लिया। कुछ दिन पूर्व युवती प्रेमी के घर आकर रहने लगी। तीन दिन तक रहने के बाद मामला पुलिस तक पहुँचा तो लडकी के परिजनों ने सम्बन्धा विक्षेद कर लिया। इस के बावजूद दोनों मिलते रहे। ग्रामीणों के मुताबिक युवती की शादी कही और तय कर दिया गया था। इसकी जानकारी प्रेमी को हुई तो, आरोप है की उसने युवती की आपत्तिजनक तस्वीर लड़के वालों को भेज दी, जिससे शादी टूट गई। शनिवार की रात्रि प्रेमी युवती से मिलने आया तो इस बात कि भनक किसी तरह स्वजनों को लग गई तो धनबली पर लाठी डंडे से हमला बोल दिया। जिसके बाद सीएचसी शाहगंज ले जाते समय रास्ते में ही मौत हो गई ।थाना प्रभारी निरीक्षक यजुर्वेन्द्र सिंह के अनुसार मुखबिर की सूचना पर अब्बोपुर बाजार से आरोपित दिलीप पुत्र राधेश्याम, दीपचंद्र पुत्र राधेश्याम बिंद व बासमती पत्नी राधेश्याम को गिरफ्तार कर चालान न्यायालय भेज दिया ।

# हादसे में बाइक सवार युवक की मौत

उन्नाव। दही थाना क्षेत्र के अंतर्गत ओरहर मोड़ के पास रविवार देर शाम घर लौट रहे बाइक सवार ने खराब खड़े डम्फर में पीछे टक्कर मार दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एम्बूलेंस से जिला अस्पताल भेजा जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सदर कोतवाली क्षेत्र के गांव जवाहर खेड़ा पोस्ट सिंगरौसी निवासी मोहनलाल 60 वर्ष पुत्र राजाराम राजपूत निजी काम से दही थाना क्षेत्र के तारगाव गए थे जहा से देर रात वापस घर लौट रहे थे तभी ओरहर मोड़ के निकट खड़े खराब डंफर में पीछे से घुस गये राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को जिला अस्पताल भेजा जहां इलाज के दौरान मौत हो गईं जिसके बाद पुलिस ने गाड़ी नम्बर के आधार मृतक की पहचान कराई जिसके बाद परिजनों को सूचना दी परिजनों ने पहुंचकर शव की पहचान मृतक के दो लडके तीन लडकी गुड़िया रेनू बबलू राजू रिचा पत्नी माहेश्वरी का रो–रो कर बेहाल है। मृतक पेशे से किसान था।

# चोरी गये बुलेट के साथ किया गिरफ्तार

जौनपुर। पवारा थाने की पुलिस ने चोरी की बुलेट को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल किया है। पुलिस द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार उ0नि0 वासदेव प्रसाद मय हमराहियों के साथ रज्जूपुर पुलिया के पास वाहन चेकिंग के दौरान एक बुलेट चालक पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया। जिसे पुलिस द्वारा घेरकर पकड़ लिया गया। व्यक्ति से कड़ाई से पूछताछ के दौरान ज्ञात हुआ कि अभियुक्त प्रदुम पुत्र संतलाल गौतम निवासी ग्राम जलालपुर , थाना सुजानगंज, जौनपुर द्वारा हैदराबाद आन्ध्रप्रदेश से बुलेट चोरी कर मूल नम्बर हटा कर चोरी किये गए बुलेट का प्रयोग किया जा रहा है । जिसे चोरी गये बुलेट के साथ गिरफ्तार कर संबंधित धारा में मुकदमा पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

# खेतासराय में चोरी और लूट की घटनायें बढ़ी

जौनपुर। खेतासराय में एक सप्ताह के अंदर ताबड़तोड़ लूट और हत्या की घटनाओं से पुलिस की सक्रियता पर सवाल खड़ा कर दिया है। अचानक घटनाओं में आई वृद्धि से पुलिस भी हलकान है। पिछले एक सप्ताह में घटनाओं पर नजर डालें तो 19 नवंबर को मवई गांव निवासी 21 वर्षीय अखिलेश यादव के सिर पर तमंचे की मुठिया से प्रहार कर बदमाशों ने उसकी अपाचे बाइक लूट ली। पुलिस ने घटना को चोरी में दर्ज कर लिया। लेकिन भुक्तभोगी के विरोधा पर पुलिस ने अगले दिन जांच में लूट की घटना की पुष्टि की। लूट की यह घटना पुलिस के लिए सिरदर्द बन गई। पुलिस बदमाशों की खोजबीन में लगी थी कि 23 नवंबर को सोंगर गांव में पुरानी रंजिश को लेकर मारपीट हो गई। जिसमें गंभीर रूप से घायल 27 वर्षीय तालिब की चौथे दिन वाराणसी के अस्पताल में मौत हो गई। हालांकि पुलिस ने इस मामले में आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। लूट की घटना का पुलिस एक सप्ताह बाद भी खुलासा नहीं कर पाई। पुलिस इस घटना पर काम कर रही थी कि 26 नवंबर की रात्रि लतीफपुर गांव में पड़ोसी गांव की अपनी प्रेमिका से खेत में मिलने गए प्रेमी धनबली बिंद को पीट पीट कर मौत के उतार दिया गया।

# कार्य बहिष्कार कर निकाला मशाल जुलूस

जौनपुर। संयुक्त संघर्ष समिति लखनऊ के आह्वान पर प्रातः 8 बजे से सायं 5 बजे तक अधीक्षण अभियन्ता कार्यालय के समक्ष कार्य बहिष्कार कर धरना प्रदर्शन किया गया। साथ ही सायं विद्युत उपकेन्द्र हुसेनाबाद से मशाल जूलूस निकाला गया जो हाईडिल परिसर से प्रारम्भ होकर ट्यूबवेल तिराहा, अम्बेडकर तिराहा, कलेक्ट्रेट तिराहा, विकास भवन गेट से होते हुए दूसरे गेट से लाइन बाजार चौराहा, लाइन बाजार थाना, खरका तिराहा होते हुए हाइडिल परिसर पर पहुंचकर समाप्त हुआ। इस दौरान समिति के सभी घटकों के सदस्य सम्मिलित रहे। प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांगे निजीकरण का विरोध, विद्युत उपभोक्ताओं को बेहतर सुविधा प्रदान करना, उच्च प्रबन्धन का तानाशाही रवैया एवं कर्मचारियों के उत्पीड़न को बंद करना, विद्युत विभाग में कार्यरत संविदाकर्मियों को तेलंगाना की भांति नियमित किया जाना आदि रहा। सभा की अध्यक्षता आनन्द गौतम एवं संचालन निखिलेश सिंह संयोजक ने किया।

इस दौरान मनीष श्रीवास्तव, अभिषेक केशरवानी, पंकज जायसवाल, निर्भिक भारती, संजय यादव, प्रमोद मौर्य आदि ने कहा कि प्रबन्धन कर्मचारियों की मांगों को पूरा नहीं करता है तथा किसी का उत्पीड़न किया जाता है तो कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जायेंगे।

ए0के0 सिंह, धर्मेन्द्र कुमार सौरभ मिश्रा, इ राम नरेश, इं. रविन्द्र पासवान, इं. आतिश यादव, इं. मनीष यादव, असगर मेंहदी, अश्वनी श्रीवास्तव, सत्य नारायन उपाध्याय, अरविन्द मिश्रा, विश्राम मौर्या, संतोष श्रीवास्तव, विवेक कुमार, अखिलेश तिवारी के अलावा संविदा कर्मी भी उपस्थित रहे।

# बेरोजगारों के हित की लड़ाई लड़ती है सुभासपा

जौनपुर। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी की समीक्षा बैठक हिंदी भवन में संपन्न हुई। जनपद के सभी पदाधिकारियों की समीक्षा सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव डॉ0 अरविंद राजभर ने लिया। बतौर मुख्य अतिथि डॉ0 राजभर ने पार्टी संगठन के साथ–साथ सभी मोर्चों के गठन जनपद से लेकर विधानसभा, ब्लॉक सेक्टर ,बूथ का गठन दिसंबर माह में पूरा करना अनिवार्य बताया। उन्होंने कहा कि आने वाला समय उत्तर प्रदेश में अति पिछड़ा, गरीबों, शोषित तथा किसानों, युवाओं व बेरोजगारों के लिए केवल और केवल सुभासपा विकल्प होगी जो सड़क से लेकर सदन तक सब के हित की लड़ती आ रही है। कार्यकर्ताओं को विधायक जखनिया गाजीपुर बेदी राम और राष्ट्रीय महासचिव डॉक्टर जेपी सिंह ने भी संबोधित किया। संचालन प्रदेश सचिव हरी लाल राजभर ने किया। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष बृजभान राजभर ने किया।

# गरीबों की सेवा भगवान की सेवा के समान

जौनपुर। मछली शहर कोतवाली के चक इंग्लिश गांव में आयोजित कंबल एवं बैग वितरण कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सपा के जिलाध्यक्ष पूर्व विधायक लाल बहादुर यादव ने कहा कि गरीबों की सेवा भगवान की सेवा के समान होती है। जाड़े के दिनों में गरीबों में कंबल वितरण अत्यंत पुनीत कार्य है। इससे मानवता की सेवा भी हो जाती है और गरीबों की मदद भी हो जाती है । लाल बहादुर यादव छब्बी देवी खरभान यादव के छठी पुण्यतिथि पर । इस कार्यक्रम में 300 गरीबों को कंबल वितरण किया गया और 250 स्कूली बच्चों को एक किताब कॉपी कलम और बिस्किट दिया गया ।आयोजक मुंबई के प्रसिद्ध उद्योगपति राम उजागिर सेठ ने कहा कि वह पिछले 6 सालों से अपने माता पिता की पुण्यतिथि पर गरीबों की सेवा करते आ रहे हैं आगे भी करते रहेंगे । सपा नेता राहुल त्रिपाठी ने कहा कि गरीबो सेवा हर लोगो को करनी चाहिए अपने बजट के हिसाब से मदद को समाज के हर तबके से लोग आगे आये । भगवान उनकी मदद जरूर करता है जो गरीबो की मदद करते है । संचालन कमलेश कुमार यादव ने किया । विशिष्ट अतिथि जयप्रकाश यादव अध्यक्षता सीताराम यादव ने किया। इस दौरान ग्राम प्रधान मनोज कुमार यादव ने लोगों का आभार व्यक्त किया।

# बीएलओ की लापरवाही के चलते छूटे 253 मतदाताओं के नाम

उन्नाव। मतदाता सूची में बीएलओ द्वारा नाम काटे जाने की शिकायत पीडित ने जिलानिर्वाचन अधिकारी को शिकायतीपत्र देकर की है। शिकायतीपत्र मे पीडित अनुराग निगम निवासी हिरननगर वार्ड नं0 7 ने बताया कि आगामी समय में होने वाले निकाय चुनाव की तैयारियां जोर शोर से चल रही है। ऐसे में वार्ड 7 के 253 मतदाताओं ने अपना नाम शामिल करने के लिए आवेदन दिया। स्थानीय बीएलओ द्वारा नए बनने जा रहे मतदाताओं का सत्यापन कार्य नही किया गया। जिसके चलते वार्ड के 253 मतदाताओं के नाम सूची में शामिल नही हो पा रहे है। ऐसे में जहां एक तरफ अधिकाधिक मतदान को लेकर जागरुकता अभियान चलाए जा रहे है वहीं इतनी तादात में नाम शामिल न होना भी कही न कही कई सवाल खडे करता है।

# गुमटी में आग लगने से सामान जलकर राख

उन्नाव। सदर तहसील के सकरन गांव मे परचून की दुकान के सहारे परिवार चला रहे एक किसान की गुमटी में आग लगने से परचून का समान जलकर राख हो गया। पीड़ित ने घटना की जानकारी राजस्व विभाग को दी है। सदर तहसील के सकरन गांव निवासी अशोक गांव के बाहर गुमटी में परचून का सामान बेचकर परिवार चलाता है। सोमवार देर शाम दुकान बंदकर दुकान स्वामी घर चला गया। सुबह दुकान खोलने पर सारा सामान जला देखकर सन्न रह गया। घटना की जानकारी राजस्व विभाग को दी हैं। पीड़ित के मुताबिक परचून का सामान जलने से डेढ़ लाख का नुकसान हुआ है।

# रोडवेज बसों में आग बुझाने के पर्याप्त संसाधन नहीं

महराजगंज। रोडवेज बसों में आग बुझाने के पर्याप्त संसाधन नहीं हैं। ऐसे में बसों में यात्रा करना जान जोखिम में डालने से कम नहीं है। क्योंकि ये बसें कब जवाब दे जाएं, इसका भी भरोसा नहीं है। महराजगंज डिपो की ज्यादातर बसों में फायर सिलिंडर नहीं हैं। बसों में ढूंढने पर भी आग से बचाव का इंतजाम नहीं दिखेगा। गिने चुने बसों में आगे से बचाव का इंतजाम दिखता है। जानकारी के अनुसार, महराजगंज डिपो में 55 बसें संचालित होती हैं। इसमें अनुबंधित बसें भी शामिल हैं। रोडवेज बसों की पड़ताल में ज्यादातर बसों में फायर सिलिंडर नहीं दिखीं। कुछ बसों में दिखीं तो वे एक्सपायर हो चुकी थीं। चालक के पीछे लगे स्टैंड खाली नजर आए। अभी बीते दिनों बहराइच जा रही जनरथ बस में आग लगने की घटना हुई है। लेकिन, इसके बाद परिवहन निगम सबक नहीं ले रहा है। यात्री सुरक्षा के प्रति लापरवाही बरती जा रही है। सामाजिक कार्यकर्ता दिलीप शुक्ला ने बताया कि वाहनों में आग लगने की घटनाएं सामने आती रहती हैं। जिसको ध्यान में रखते हुए ही शासन की तरफ से रोडवेज की बसों में अग्निशमन यंत्र और फर्स्ट एड बाक्स रखने के विशेष दिशा–निर्देश हैं। जिसके बाद से इसे गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। बसों में फायर सिलिंडर समेत अन्य सुविधाओं पर ध्यान नहीं दिया रहा है। इंदिरा नगर के पूर्व सभासद चंद्रशेखर सिंह ने बताया कि बसों में सुरक्षा मानक पर ध्यान नहीं दिया जाता है। निगम के अधिकारियों को इस पर ध्यान देने की जरूरत है। इन विंदुओं पर करनी होती है जांचः सुरक्षा मानकों पर खरा उतरने के लिए बसों को 13 प्रकार से जांचकर वर्कशॉप से निकाला जाता है, जिसमें बसों की हेडलाइट, बैकलाइट, ब्रेक, हार्न, बैटरी और इसमें अग्निशमन यंत्र और आपात दरवाजों की भी जांच जरूरी है। जिसकी सही तरह से जांच न होने से ऐसी दुर्घटनाएं घटती हैं। वर्कशाप में बसों की मरम्मत तो की जाती है। लेकिन, सामान के अभाव में जुगाड़ से बसों में पार्ट्स लगाए जाते हैं।

# जन संघर्षों के लिए हमेशा याद किये जाएंगे विभूति चौहान

कुशीनगर । कुशीनगर जनपद के कसया भरौली निवासी कम्युनिस्ट नेता विभूति चौहान बीते पांच दशक से आम जन की समस्याओं को लेकर लगातार आवाज उठाते रहे। वह हमेशा जन संघर्षों के लिए याद किये जाएंगे। शुरू से तेज तर्रार, संघर्षशील और जन भावना से ओत प्रोत स्व. श्री चौहान आम जन के हक की आवाज बन हर मौके पर अपने छात्र जीवन से खड़े रहते थे। वर्ष 1974 में वह बुद्ध इंटर छात्रसंघ अध्यक्ष व 1976 में बुद्ध डिग्री कालेज कुशीनगर छात्र संघ के अध्यक्ष रहें और वर्ष 1979 में कम्युनिस्ट पार्टी की सदस्यता ली। वह दोनों कम्युनिस्ट पार्टियों और उनके संगठनों में जिले, प्रदेश स्तर पर पदाधिकारी रहे। और खेतिहर मजदूर, किसानों, मुसहर समुदाय के हक की लड़ाई लड़ते रहे और पट्टा धारकों को उनका हक दिलाने लिये लगातार आवाज उठाते रहे। कई बार उन्हें जेल तक जाना पड़ा। उनकी पहचान एक तेज तर्रार नेता के रूप में रही जो आम लोगों को न्याय दिलाने के लिए मुखर थे। राष्ट्रीय आंदोलनों में समय समय पर का. सुभाषिनी अली सहगल, का. सीताराम येचुरी, का. प्रकाश करात, का. अतुल अंजान, का. दीनानाथ यादव जैसी शख्यितों के संपर्क में रहे। बीच में इनका कम्युनिस्ट पार्टियों से मोह भंग हो गया तो चीनी मिल मजदूर यूनियनों के साथ जुड़ गए और मजदूर यूनियनों के अध्यक्षध्सचिव बने और उनके हक के लिए लड़ते रहे। इसी बीच उन्होंने कुछ समय बसपा के साथ भी बिताया। वर्ष 2000 के बाद मुसहर विकास पहल से जुड़कर जनपद कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज में उनके शिक्षा, रोजगार और सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए विविध कार्यक्रमों, जन सुनवाई के माध्यम से सामाजिक न्याय दिलाने को लेकर जागरूक रहे।

# गुजरात के कोटेश्वर से साइकिल चलाकर कुशीनगर पहुंचे 61 वर्षीय संजय खाड़े का रोटरी क्लब के सदस्यों ने किया स्वागत

कुशीनगर । नवी मुंबई निवासी 61 वर्षीय साईकिल यात्री संजय खाड़े गुजरात के कोटेश्वर से साइकिल यात्रा शुरू कर अरुणाचल प्रदेश के कीवीथू तक की कुल 3832 किमी की यात्रा पर निकले हैं। मंगलवार की शाम कुशीनगर पहुंचने पर रोटरी क्लब कुशीनगर के सदस्यों ने पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्रम देकर उन्हें सम्मानित किया। साइकिल यात्री संजय खाड़े ने बताया कि वह स्वयं रोटरी क्लब पानवेल महानगर के सदस्य हैं। साइकिल द्वारा यह दूसरी यात्रा है। इसके पूर्व में कश्मीर से कन्याकुमारी तक की यात्रा साइकिल से पूरी की है। इस साइकिल यात्रा का उद्देश्य देश के विभिन्न प्रांतों की संस्कृति एवं धरोहरों को नजदीक से देखना–जानना और लोगों को यातायात के नियमों के बारे में जागरूक करने के साथ ही साथ फिटनेस के प्रति लोगों को जागरूक करना भी है। संजय की यात्रा 15 दिसंबर को चीन सीमा पर स्थित अरुणाचल प्रदेश के कीवीथू में जाकर पूरी होगी। इस यात्रा में कई स्थानों पर विश्राम इत्यादि की व्यवस्था कराने के लिए रोटरी क्लब के सदस्यों की मदद मिल रही है। स्वागत एवं सम्मान हेतु रोटरी क्लब कुशीनगर के सदस्यों के प्रति भी उन्होंने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर रोटरी के उपाध्यक्ष विजय कुमार गुप्ता, सचिव वाहिद अली, सह–सचिव दिनेश कुमार यादव, निदेशक राजीव जायसवाल श्लक्ष्यश, डॉ नदीम वारसी, गौरव मद्धेशिया एवं आदिल खान आदि उपस्थित रहे।

# कम्युनिस्ट नेता विभूति चौहान के निधन पर सभी दलों ने जताया शोक

कुशीनगर । नगरपालिका परिषद कुशीनगर क्षेत्र के भरौली निवासी कामरेड विभूति चौहान का लम्बी बीमारी के दौरान मंगलवार की भोर में निधन हो गया। श्री चौहान के निधन की खबर मिलते ही दलीय सीमाएं टूट गईं और सभी दलों ने शोक जताया। बुद्ध इंटर कालेज और बुद्ध पीजी कालेज से राजनैतिक जीवन शुरू करने वाले श्री चौहान चार दशक तक कम्युनिस्ट पार्टी, ट्रेड यूनियनों, मुसहर मंच के माध्यम से आम जन की आवाज कुशीनगर और देवरिया जनपद में जन आंदोलनों के माध्यम से उठाते रहे। श्री चौहान पिछले बीस दिन से ब्रेन हेमरेज और हृदयाघात से जूझ रहे थे। माकपा द्वारा श्री चौहान के शव पर लाल झंडे को ओढ़ाकर और लाल सलाम बोलकर अपनी श्रद्धांजलि दी गयी। उनका दाह संस्कार वार्ड के पोखरे के किनारे किया गया। बड़े भाई राम नगीना चौहान ने उन्हें मुखाग्नि दी। उनके निधन पर माकपा के का. साधु शरण, का. अयोध्यालाल श्रीवास्तव, का. दुर्गा यादव, का. राम नरेश, का. इद्रीश, भाकपा के का. लल्लन राय, का. गेंदा सिंह, का. मतिउल्लाह, राकेश जायसवाल, अमिय गुप्ता, कृष्ण कुमार, अमिय गुप्ता, सपा के शुकरुलाह अंसारी, हरी शंकर राजभर, भाजपा के बलराम यादव, टीएन राव, रालोद के विवेक कुमार वर्मा, योगेंद्र प्रसाद, हियुवा के प्रमिल गुप्ता सहित नेताओं और आम जनता ने कम्युनिस्ट नेता को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

# दावा था 59 प्रकार की जांच का, की जा रही केवल 12

महराजगंज। करीब 18 दिन पहले जिला अस्पताल में हेल्थ एटीएम लगी थी। दावा किया गया कि इससे 59 प्रकार की जांच की जाएगी। फिलहाल केवल 12 प्रकार की जांच हो रही है। गंभीर जांच एक भी नहीं हो रही है। वजह यह है कि मशीन को संचालित करने के लिए न तो तेज गति का इंटरनेट है, न ही जांच किट। उधर, श्यामदेउरवा, बागापार, चौक बाजार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) में लगी हेल्थ एटीएम संचालित ही नहीं की जा रही हैं।

मिनटों में जरूरी जांच के लिए जिला अस्पताल में 11 नवंबर को हेल्थ एटीएम लगाई गई। जिला अस्पताल में पर्ची काउंटर के बगल में लगी हेल्थ एटीएम पर एक कर्मचारी तैनात किया गया। इस कर्मी ने अस्पताल के दो कर्मचारियों को स्वास्थ्य जांच मशीन संचालित करने का प्रशिक्षण दिया है। मशीन तो लग गई, लेकिन संचालन के लिए इंटरनेट नहीं दिया गया। अन्य जरूरी सामग्री भी नहीं दी गई। जांच किट नहीं होने से केवल सामान्य जांच ही हो पा रही है। जिला अस्पताल में प्रत्येक दिन करीब 800 मरीज ओपीडी में पहुंचते हैं। इनमें से 20 से 25 लोग ही हेल्थ एटीएम से जांच कराते हैं।

शरीर की स्क्रीनिंग हो रही

हेल्थ एटीएम से शरीर की स्क्रीनिंग हो रही है। बेसिक जांच (हेल्थ स्कोर)– ऊंचाई, वजन, बीएमआई, बीमएआर, हाईड्रेशन, बॉडी मास, मसल्स, क्वालिटी स्कोर, शरीर में वसा का अनुपात, बोन मास, मेटाबॉलिक एज, मसल मास, डायस्टोलिक बीपी, सिस्टोलिक बीपी, पल्स रेट, शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा व तापमान की जांच की जा रही है।

ये जांच नहीं होती

हेल्थ एटीएम से पैथोलॉजी टेस्ट भी हो सकेंगे, जिसमें ग्लूकोज, हीमोग्लोबिन, लिपिड प्रोफाइल की जांच होगी। डेंगू, मलेरिया, यूरिन टेस्ट, गर्भावस्था जांच, टाइफाइड, टीएलसी, डीएलसी, ब्लड यूनिट काउंट जैसी जांचें हो सकेंगी। लेकिन फिलहाल ये जांचें नहीं हो रही हैं। इसके लिए जरूरी सामग्री का अभाव है।

लोग बोले–सब दिखावाः मुजहना गांव के वीरेंद्र ने बताया कि हेल्थ एटीएम के बारे में बहुत सुना था। अस्पताल आकर पता किया तो शुगर जांच की सुविधा नहीं थी। जबकि बताया गया था की शुगर की जांच हो जाएगी। लोहिया नगर के गणेश श्रीवास्तव ने बताया कि हेल्थ एटीएम से अभी 59 प्रकार की जांच की सुविधा नहीं मिल रही है। मशीन लगाकर सेवा को बेहतर दिखाया जा रहा है।

हॉट स्पाट से चल रहा काम

जांच मशीन को संचालित करने के लिए हाई स्पीड नेट की जरूरत है। मशीन में हाई स्पीड नेट की सुविधा नहीं मिलने के कारण इसे संचालित करने वाला कर्मी अपने मोबाइल से जोड़कर चला रहा है।

18 दिन में 130 लोगों ने कराई जांचः जिला अस्पताल में लगी स्वास्थ्य जांच मशीन (हेल्थ एटीएम) से 18 दिनों में 130 लोगों ने जांच कराई है। कई लोग जरूरत की सामग्री नहीं होने की वजह से जांच से वंचित हो जा रहे हैं, तो अधिकतर लोगों को जांच मशीन के बारे में पता भी नहीं है।

# क्षय रोगियों की सूचना उपलब्ध कराएं निजी डॉक्टर

महराजगंज। जिला क्षय रोग अधिकारी की ओर से क्षय रोगियों की जानकारी मांगी जा रही है। जिन निजी चिकित्सक या चिकित्सालय की ओर से किसी भी क्षय रोगी का इलाज किया जा रहा है, वे जिला क्षय रोग केंद्र पर उन मरीजों का ब्योरा उपलब्ध करा दें ताकि उन मरीजों के संबंध में निक्षय पोर्टल पर पूरी जानकारी दर्ज कराई जा सके। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. वीरेंद्र आर्य ने कहा कि टीबी मरीजों का इलाज करने वाले हर निजी चिकित्सक उक्त सूचना हर हाल में उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 तक देश को टीबी मुक्त राष्ट्र बनाने के लिए प्रधानमंत्री का संकल्प है। इसके लिए समय–समय पर विभिन्न कार्यक्रम और अभियान संचालित किया जाता है। टीबी रोगियों के बारे में सूचना देने वाले चिकित्सक को पांच सौ रुपये की प्रोत्साहन राशि भी देय है। उन्होंने बताया कि क्षय रोग निदान और इसका प्रबंधन सुनिश्चित करने, क्षय रोग संचरण की रोकथाम करने तथा क्षय रोग फैलाव और विकास की समस्या पर ध्यान रखने के लिए अनिवार्य है कि सभी क्षय रोगियों के बारे में सारी सूचनाएं एकत्र की जाएं। उन्होंने कहा कि यदि किसी को टीबी के लक्षण दिखें तो तत्काल बलगम सहित अन्य जांच कराएं। जांच के लिए जिले भर में कुल 27 केंद्रों पर निशुल्क व्यवस्था है। जांच में यदि टीबी रोग की पुष्टि होती है तो उसकी दवा भी निशुल्क की जाती है। इलाज चलने की अवधि तक निक्षय पोषण योजना के तहत 500 रुपये प्रतिमाह दिए जाते हैं। टीबी के लक्षण –14 दिनों से अधिक तक बुखार । –14 दिनों से अधिक खांसी। –सीने में दर्द । –बलगम के साथ खून आना। –भूख कम लगना। –वजन घटना ।

आयोजित की जा रहीं गतिविधियां – टीबी मरीज के घर का दौरा। –क्षय रोग पीड़ित व्यक्तियों और परिवार के सदस्यों की काउंसिलिंग। –उपचार प्रक्रिया का पालन तथा बाद में पूरा उपचार सुनिश्चित करने के लिए सहायता देना। –रोग फैलाव वाले व्यक्ति का पता लगाना, रोग लक्षणों की जांच तथा रोग फैलाव करने वाले व्यक्ति को दवा उपलब्ध कराना। –एचआईवी काउंसिलिंग और जांच कराने के साथ औषध अति संवेदनशीलता के बारे में भी जांच कराना। दवा विक्रेता भी उपलब्ध कराएं सूचनाः पब्लिक प्राइवेट मिक्स कार्यक्रम के जिला समन्वयक विवेक गुप्ता ने बताया कि टीबी मरीजों को दवा बिक्री करने वाले दवा विक्रेता भी सभी टीबी मरीजों की सूचना जिला क्षय रोग केंद्र को उपलब्ध कराएं ताकि शत प्रतिशत टीबी मरीजों को चिह्नित किया जा सके।

# खेल प्रतिभाएं देश की धरोहरः रमापतिराम

## गांवों में खेल के आयोजन से होता है प्रतिभाओं का प्रोत्साहनः सुभाष त्रिपाठी

कुशीनगर । अशोक विद्यापीठ इंटर कालेज के प्रांगण में जनपदीय खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन माध्यमिक शिक्षा विभाग की बेहतर सोच का द्योतक है। गांवों की खेल प्रतिभागी देश की धरोहर हैं। देश स्तर की खेल प्रतिभाएं गांवों से निकलकर ही आगे बढ़ती हैं। इसलिए गांवों की प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। इस आशय के विचार अशोक विद्यापीठ नकटहा मिश्र के खेल प्रांगण में आयोजित तीन दिवसीय जनपदीय खेलकूद प्रतियोगिता के दूसरे दिन के खेल का शुभारंभ करते हुए मुख्य अतिथि देवरिया के सांसद डॉ रमापतिराम त्रिपाठी ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि गांवों की खेल प्रतिभागियों को राष्ट्रीय फलक पर पहुंचाने के लिए फीट इंडिया खेलो इंडिया कार्यक्रम चलाकर ऐतिहासिक निर्णय लिया है। जिससे पूरे देश में खेल के महत्व को गति मिली है। द देवरिया–कसया सहकारी बैंक के पूर्व चेयरमैन व देवरिया के पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष सुभाष प्रसाद त्रिपाठी ने कहा कि जिला विद्यालय निरीक्षक रविन्द्र सिंह द्वारा यहां जनपदीय खेलकूद प्रतियोगिता कराने का निर्णय लेकर यह साबित किया है कि वह ग्रामीण क्षेत्रों की खेल प्रतिभागियों के लिए कितना चिंतित है। इस प्रकार की प्रतियोगिताओं के आयोजन से गांवों के बच्चों में खेलों के प्रति उत्साह काफी बढ़ा हैं। समारोह को एसटीएनटी के निदेशक उद्भव त्रिपाठी ने आयोजन की सफलता के लिए शुभकामना दी। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ निर्मला त्रिपाठी ने आयोजन को सफलीभूत बनाने में योगदान देने वाले माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों, व्यायाम शिक्षकों, बच्चों व अतिथियों को बहुत शुभकामनाएं दी। समारोह का सफल संचालन भगवान महावीर इंटर कालेज, फाजिलनगर के संगीताचार्य मनंजय तिवारी ने किया। आयोजन को सफल बनाने में समाज कल्याण इंटर कालेज खेसिया के प्रधानाचार्य नंदकिशोर यादव, जौरा इंटर कालेज, जौरा बाजार के प्रधानाचार्य रामू चौधरी, वीणा वादिनी इंटर कालेज के आनंद मिश्र, राष्ट्रीय इण्टर कालेज भुजवली प्रमुख के प्रधानाचार्य डॉ देवेंद्र मणि त्रिपाठी, हनुमान इंटर कालेज, पडरौना के प्रधानाचार्य शैलेन्द्र दत्त शुक्ल, सुबोध कुमार पांडेय, प्रबंधक ब्रजेश कुमार त्रिपाठी, शुकदेव प्रसाद त्रिपाठी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ शैलेन्द्र मिश्र का उल्लेखनीय योगदान रहा।

# अवैध गांजा के साथ दो गिरफ्तार, जेल

कुशीनगर । जनपद के पडरौना कोतवाली पुलिस ने 1.3 कि0ग्रा0 अवैध गांजा कीमत लगभग 25,000ध्– रु0 व चोरी की एक अदद मोटरसाईकिल के साथ दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस अधीक्षक धवल जायसवाल के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के रोकथाम हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में मंगलवार को पड़रौना कोतवाली पुलिस द्वारा चोरी की एक अदद सीडी डीलक्स मो0सा0 के साथ दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 1.3 कि0ग्रा0 अवैध गांजा कीमत लगभग 25,000ध्– रु0 बरामद किया। बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर मुकामी पुलिस ने मु0अ0सं0 738ध्22 धारा 41,411 भादवि0 व 8ध्20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत कर अभियुक्तों को जेल भेज दिया है। गिरफ्तार अभियुक्तों में शैलेश यादव पुत्र मुन्ना यादव निवासी छावनी लाला टोला थाना कोतवाली पड़रौना, दीपू सिंह उर्फ देवेन्द्र सिंह पुत्र अवधेश सिंह साकिन सखवनिया बगही टोला थाना कुबेरस्थान हा0मु0 शिव सागर कालोनी थाना कोतवाली पडरौना शामिल है। अभियुक्तों की गिरफ्तारी पुलिस टीम में प्र०नि० राज प्रकाश सिंह, उ0नि0 श्री देशराज सरोज, का0 गिरीश कुमार, का0 अमरजीत यादव, का0 रणजीत यादव शामिल रहे।

# उसका के पहलवान ने गोंडा में लहराया परचम

अनंत मिश्रा/दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार/सिद्धार्थनगर। कस्बा के कृष्णानगर वार्ड के सेखुईया

टोला के निवासी हरिद्वार यादव के पुत्र राम करन यादव ने भारतीय कुश्ती संघ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय ग्रेपलिंग रेसलिंग (कुस्ती) चौंपियनशिप 2022 नंदिनी नगर गोंडा में 57 किग्रा सब जूनियर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान लाकर गोल्ड मेडल हासिल किया है। रामकरन यादव की इस सफलता से समूचे जनपद के मान बढ़ा है। इससे जनपद के सभी खेल प्रेमियों, खिलाड़ियों में काफी उत्साह है। उसका कस्बा के पूर्व चेयरमैन हेमन्त कुमार सहित तमाम लोगो ने उनके घर जाकर बधाई व शुभकामनाएं दी है। पहलवान रामकरन ने बताया कि उन्हें बचपन से ही कुश्ती का बड़ा शौक रहा। गांव के पास अखाड़े में रोज शुबह कुश्ती के दावे पेच सीखने जाते थे। हाईस्कूल की शिक्षा जनपद के शोहरतगढ़। वर्तमान में नन्दिनी नगर के इंटर कालेज में इंटर की शिक्षा ग्रहण कर रहे है। इनकी इस सफलता पर सोमनाथ मिश्र, पवन जायसवाल, गोलू, कृष्ण मोहन, पिंटू यादव,कमलेश, अखिलेश यादव, रघुबर यादव, पन्ना लाल यादव, राम चरन, राकेश यादव आदि ने खुशी व्यक्त की है।

# अवैध आरा मशीन संचालित होने पर अधिकारियों पर होगी कार्यवाही : अरुण कुमार सक्सेना

दैनिक बुद्ध का संदेश

बाराबंकी। क्षेत्र में हो रहे प्रतिबंधित अवैध पेड़ों की ध ाड़ल्ले से कटान को देखते हुए वन विभाग को प्रतिबंधित आरा मशीनों पर कार्रवाई करना चाहिए जो क्षेत्र में अवैध कटान को बढ़ावा देती हैं लेकिन ऐसा होगा नहीं क्योंकि इन अवैध आरा मशीनों से वन विभाग को महीने में लाखों रुपए की पगार मिलती है कई स्थानों पर गुप्त सूत्रों के अनुसार यह भी जानकारी मिली कि यह संचालित अवैध आरा मशीनें वन विभाग के क्षेत्रीय हल्का दरोगा और पुलिस के संरक्षण में चलाई जाती है पूरा मामला बाराबंकी जनपद का है जहां पर देखा जाए तो एक नहीं दो नहीं दर्जनों मशीनें ऐसी हैं जो अवैध तरीके से संचालित की जा रही हैं यही नहीं इन संचालित हो रही मशीन मालिकों को वन विभाग का पूर्व संरक्षण मिला हुआ है जो सभी की साठगांठ से चलाई जाती हैं वही इस संबंध में जब प्रदेश के वन मंत्री डॉ अरुण कुमार सक्सेना से संपर्क किया गया तो उन्होंने बताया हमारी सरकार पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन को लेकर हमेशा प्रयत्नशील है और क्षेत्र में जो अवैध आरा मशीनें लगाई गई हैं उन पर कार्रवाई के लिए संबंधित को आदेशित किया गया है तथा बढ़ते अवैध पेड़ों की कटान को लेकर मंत्री ने बताया इसकी रोकथाम के लिए बहुत ही जल्द एक कॉल सेंटर की स्थापना की जाएगी जिसके माध्यम से कार्यवाही होगी और जिन जनपदों में अवैध आरा मशीनों की सूचना मिलेगी वहां पर उस जिले के जिम्मेदार अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। हालांकि जनपद के कई स्थानों पर आरा मशीनें संचालित की जा रही हैं ऐसा नहीं इन आरा मशीनों से संबंधित विभाग को जानकारी ना हो सब कुछ जानते हुए भी विभाग अनजान बना हुआ है यह संचालित अवैध आरा मशीनें ही प्रतिबंधित अवैध पेड़ों की कटान को बढ़ावा देती हैं।

# नहीं रहे पूर्व एमएलसी रामसुन्दर दास, क्षेत्र में शोक की लहर

भाटपाररानी,देवरिया। सपा नेता व पूर्व एमएलसी एडवोकेट रामसुन्दर दास ने बुधवार को देवरिया स्थित अपनी आवास पर अंतिम सांस ली। वे कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। उनके निधन की खबर मिलते ही पूरे जनपद के सपा नेताओं, कार्यकर्ताओं व गणमान्य लोगों में शोक व्याप्त हो गया। उनकी निधन पर शोक व्यक्त करते हुए भाटपार रानी के मदर टेरेसा फाउंडेशन के जिला महासचिव एवं पूर्व सचिव अनूप यादव ने कहा कि एडवोकेट साहब ने मजबूत स्तम्भ थे। वे सदा पार्टी हित के लिए कार्य करते रहे। उनकी निधन से पार्टी ने अपना एक कर्तव्यनिष्ठ नेता खो दिया है। सरल व्यवहार वाला एक मृदुभाषी नेता थे। उनमें बनावटीपन नहीं था। उनकी निधन से जिले को एक अपूरणीय क्षति हुई है। वे सदैव जुल्म–ज्यादती के खिलाफ संघर्ष करते रहे। आम लोगों के दुःख, दर्द में बढ़ –चढ़कर हिस्सा लेते थे। उनका निधन अत्यंत दुखदाई है। बिना किसी भेदभाव के सबकी बात सुनते थे। वे पिछड़े व दलितों के सच्चे मसीहा थे। उन्हें भुलाया नहीं जा सकता। आवाज बुलंद करते रहे। शोषितों, पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए सदैव कार्य करते रहे। उनकी सरल व्यवहार के सभी लोग कायल थे।

# एसपी ने यातायात जागरुकता माह का किया गया समापन

## छात्र/छात्राओं को पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र देकर किया गया सम्मानित

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। यातायात माह नवम्बर 2022 के समापन के अवसर पर रामलीला मैदान डाला में पुलिस अधीक्षक सोनभद्र डॉ0 यशवीर सिंह द्वारा दीप प्रज्वलित कर समापन समारोह का शुभारम्भ किया गया। तत्पश्चात क्षेत्राधिकारी यातायात अमित कुमार द्वारा पुलिस अधीक्षक सोनभद्र महोदय को स्मृति चिन्ह एवं शाल भेटकर सम्मानित किया गया। इसके उपरान्त पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा सम्बोधित कर बताया गया कि बहुत से सड़क दुर्घटनायें होने पर वहां पर मौजूद लोगों द्वारा वीडियों बनाने में लग जाते है या पुलिस की गाड़ीध्एम्बूलेंस का इन्तजार करते रहते है इस देश के नागरिक होने की वजह से हम लोगों को हमारे संविधान में मौलिक अधिकार के साथ–साथ मौलिक कर्तव्य भी दिया गया है इस प्रकार हम लोग अपने मौलिक कर्तव्य का पालन करते हुए सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को इलाज हेतु जल्द से जल्द अस्पताल पहुचाये ताकि उस व्यक्ति की जान बचाई जा सके। इस दौरान पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा अपने सम्बोधन में बताया गया कि सोनभद्र पुलिस द्वारा एक पहल शुरु की गयी है कि सड़क दुर्घटना में घायलों की मदद व जान बचाने वाले व्यक्तियों को 15 अगस्त एवं 26 जनवरी के अवसर पर पुलिस लाइन में कार्यक्रम में

कालेज के छात्रध्छात्राओं द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से वहां पर उपस्थित लोगों को यातायात नियमों का पालन करने हेतु जागरुक किया गया ।

इसके अतिरिक्त यातायात माह के दौरान जनपद के विभिन्न स्कूलोंध्कालेजों में आयोजित यातायात जागरुकता सम्बन्धित क्विजधनिबन्ध। प्रतियोगिताओं में प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रध्छात्राओं को प्रशस्ति पत्र व सांत्वना पुरस्कार वितरित कर उन्हे अपने आस पास के लोगों को भी यातायात के नियमों के बारे में उन्हे प्रशस्ति पत्र के साथ प्रोत्साहित भी किया जायेगा तथा कार्यक्रम में उपस्थित सभी आमजनों एवं छात्रध्छात्राओं से यातायात नियमों का पालन करने की अपील की गयी। इस दौरान आदित्य बिरला इण्टर पर्वत, प्रभारी यातायात प्रमोद कुमार यादव, चौकी प्रभारी डाला अरविन्द कुमार गुप्ता सहित अन्य सम्भांत व्यक्ति मौजूद रहें। उल्लेखनीय है कि पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार यातायात माह नवम्बर–2022 के दौरान जनपद के समस्त थाना प्रभारियोंध्प्रभारी यातायात द्वारा यातायात नियमों का उल्लघंन करने वाले दुपहियाध्चारपहिया वाहन चालकों के विरूद्ध सघन अभियान चलाया गया। जिसके परिणाम स्वरूप जनपदीय पुलिस द्वारा माह नवम्बर–2022 में यातायात नियमों का उल्लघंन करने पर एमवी एक्ट के अन्तर्गत कुल 19657 चालान किए गए एवं 24421200ध्– रूपये (दो करोड़ चौवालिस लाख इक्यासी हजार दो सौ रुपये) का शमन शुल्क वसूला गया।

# एस.एम.सी. बैठक में महिलाओं और बच्चों को किया गया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

बाराबंकी। देवां सी.एस.मैनाहार में विद्यालय प्रबंध समिति और

अभिभावकों की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें नई समिति का गठन किया गया। इस अवसर पर थाना देवां से एस. आई.बृजेश कुमार सिंह अभिभावकों और बच्चों के बीच उपस्थित होकर यातायात नियम के बारे में जानकारी दी तथा आरक्षी दीप्ति व अजीत सिंह ने महिला सुरक्षा,साइबर क्राइम के बारे में जानकारी देते हुए सभी अभिभावकों और बच्चों को जागरूक किया! इस बैठक का संचालन प्रभारी प्र.अ. विवेक कुमार वर्मा ने किया इस अवसर पर प्रधान प्रतिनिधि (शाहपुर) सूरज यादव,स.अ. गायत्री देवी, संगीता चौधरी ,जरीन बानो, ज्योति रस्तोगी ,नीलम त्रिपाठी, बबीता यादव,नीता यादव,पुनीता वर्मा,वंदना अनुसुइया आदि उपस्थित रहे।

# शिक्षकों ने अपर जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन सौपा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बाराबंकी। उत्तर प्रदेशीय सेवा निवृत्त शिक्षक कल्याण परिषद

शाखा बाराबंकी के बैनरतले बुधवार को जिलाध्यक्ष रूप नारायण वैश्वार के नेतृत्व में जिले के दर्जनों शिक्षकों ने अपर जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह के माध्यम से उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन सौपा गया। जिसमे अनुरोध किया गया है। कि बेसिक शिक्षक बहुत कम वेतन में पूर्णनिष्ठा एवं लग्न से कार्य करते हुए देश के लिए योग्य प्रशाशक, इंजीनियर डॉक्टर, राजनीतिज्ञ, एवं प्रबुद्ध समाजसेवी बनाने में तथा राष्ट्रहितएवं प्रदेश के शैक्षणिक विकास में अहम भूमिका का निर्वाहन करते हुए राष्ट्रीयकार्यक्रमों में अपनी सेवायें अर्पित करते परन्तु जब वे सेवानिवृत्त होते हैं तो उनकी पेंशन भी बहुत ही कम मिलती है ऐसीदशा में जब सेवानिवृत्त बेसिक शिक्षक असाध्य रोगों जैसे लीवर हार्ट, किड़नी कैंसर आदि रोगों से पीड़ित हो जाते हैं। जिसके इलाज में लगभग 25 से 30 लाख रुपये व्यय होने की सम्भावना होती है। उसे व्यय करने में असमर्थ होने की दशा में उनकी असमय मृत्यु हो जाते हैं। ऐसी विवशताओं के परिपेक्ष्यमें आप से विनम्र निवेदन है कि सेवानिवृत्त बेसिक शिक्षकों को भी सिविल पेंशनरों की भांति चिकित्सा प्रतिपूर्ति अनुमन्य कराने की मांग की है। कार्यक्रम में वरिष्ठउपाध्यक्ष देव नारायण शुक्ल, धनपाल सिंह, प्यारेलाल, शिव कुमार सिंह मनोकामनी व जिला मीडिया प्रभारी सुभाष चंद्र श्रीवास्तव, सहजराम वर्मा, उमानाथ शुक्ल, अवध शरण सत्य नारायण वर्मा, फूल चंद्र, राम नरेश वर्मा, हसीब अहमद आदि दर्जनों शिक्षक उपस्थित रहे।

# सांसद ने मंत्रोच्चारण के साथ भूमि पूजन कर गौशाला की नींव रखी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बाराबंकी। ग्राम पंचायत मसौली में 10 एकड़ में बन रहे गौ आश्रय स्थल पर साँसद उपेंद्र सिंह रावत, उपजिलाधिकारी विजय कुमार त्रिवेदी, खण्ड विकास अधिकारी डॉ0 संस्कृता मिश्रा, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि मुईन अंसारी, पंचायत सचिव विकास पांडेय, कृष्ण कुमार सिंह, मो0 आकिब जमाल, आशीष वर्मा ने पंडित रामकुमार मिश्रा के वैदिक मंत्रोच्चारण के बाद

भूमि पूजन कर गौशाला की नींव रखी। शिलान्यास कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए साँसद उपेंद्र सिंह रावत ने कहा कि गौशाला के निर्माण से क्षेत्र के छुट्टा पशुओं की परेशानी से क्षेत्र के लोगों को राहत मिलेगी। किसानों की छुट्टा पशुओं की परेशानी को नजर में रखते हुए क्षेत्र में तीन गौशालाओ का निर्माण कराया जा रहा है। साँसद रावत ने कहा कि गौ सेवा सबसे बड़ी पूजा है पिछली सरकारों में जिस तरह गौपशुओ पर अत्याचार किया जाता था वह किसी से छिपा नही है प्रदेश की योगी सरकार गौपशुओ की सुरक्षा के लिए निरन्तर प्रयास कर रही हैं जिसके लिए गांव स्तर पर गौपशुओ के संरक्षण के लिए स्थायी गौ आश्रय स्थलों का निर्माण कराकर चारा पानी की व्यवस्था की जाती है। साँसद उपेंद्र सिंह रावत ने कहा कि देश व प्रदेश की भाजपा सरकार समाज के वर्ग के लिए कार्य कर रही हैं जिससे लोगो मे भाजपा के प्रति विश्वास बढ़ा है और समाज के सभी लोग भाजपा से जुड़ रहे है। उन्होंने कहा कि जनता की हर समस्या हमारी समस्या है। जिन्हें दूर करना हमारी प्राथमिकता है आजादी मिले लगभग 75 वर्ष हो गये तब से अब तक कांग्रेस ने ही देश में राज किया यही कुछ वर्षों यानी कि 8 वर्ष से भाजपा सरकार बनाकर देश व प्रदेश में डबल इंजन की सरकार के साथ विकास कार्यों को गति दे रही है। उन्होंने कहा कि आज जो काम भाजपा सरकार कर रही है जैसे गैस कनेक्शन, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री शौचालय योजना, किसान सम्मान निधि सहित अन्य योजनाओं को यदि पहले की सरकार ने किया होता तो आज हमारे देश में विकास कार्यों की गंगा बह रही होती। शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान उपजिलाधिकारी विजय कुमार त्रिवेदी, खण्ड विकास अधिकारी डॉ0 संस्कृता मिश्रा, अवर अभियंता अनिल कुमार सिंह, भाजपा नेता राजकुमार सोनी, भुल्लन वर्मा, पप्पू सोनी, नीरज प्रधान, आशुतोष अवस्थी, विनीत वर्मा, शिव स्वामी वर्मा, राजेश वर्मा, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि मुईन अंसारी, प्रधान भयारा रंजीत कुमार, प्रधान सैदाबाद विनय कुमार वर्मा, प्रधान मेढिया, ग्राम पंचायत सचिव विकास पांडेय, मो0 आकिब, बीना चतुर्वेदी आदि लोग मौजूद रहे।

# देवा क्षेत्र के हर गांव में बहेगी विकास की गंगा:धर्मेंद्र यादव

दैनिक बुद्ध का संदेश

बाराबंकी। देवा ब्लॉक प्रमुख धर्मेंद्र यादव ने विकासखंड देवा

की ग्राम पंचायत मिर्जापुर बेहटई में पंचम पंद्रहवां वित्त आयोग से निर्मित 8.84 लाख की लागत से बनी इंटरलॉकिंग मार्ग व 6.45 लाख की लागत से बनी भूमिगत नाली निर्माण के दौरान व्यक्त किए। लोकार्पण करने पहुंचे देवा ब्लॉक प्रमुख का ग्रामीणों ने मल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया ब्लॉक प्रमूख ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि भाजपा सरकार का उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाना है इस कड़ी में मेरा ये प्रयास है कि विकास खण्ड देवा का कोई भी गांव अछूता न रहे। इस दौरान खंड विकास अधिकारी देवा श्रीमती पूजा पांडे पूर्व प्रमुख इक्ष्वाकु मौर्य जे ई वाई के सिंह, एडीओ पंचायत मोहम्मद सलीम, कुंवर पाल प्रधान, बीडीसी सुशीला देवी ,प्रधान आनंद सिंह, राजेंद्र प्रधान टिकरिया ,मनीष यादव तकाजीपुर घनश्याम यादव करुणेश वर्मा जिला मंत्री भाजपा सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे।

# स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में अभिषेक पाठक को मिला मैन आफ द मैच

दैनिक बुद्ध का संदेश

घोरावल/सोनभद्र। जिले के घोरावल तहसील क्षेत्र के महुआंव

पाण्डेय गांव में चल रहे जामवंती पाण्डेय स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में बुधवार को पहला मुकाबला मुड़िलाडीह और रिजूल के बीच खेला गया। जिसमें रिजूल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 92ध्5 रन बनाये। जिसके जवाब में अच्छी बल्लेबाजी करते हुए मुड़िलाडीह ने 6 ओवर में लक्ष्य को प्राप्त कर लिया। और इस मैच के मैन ऑफ द मैच अभिषेक पाठक रहे। जिन्होंने अच्छी बल्लेबाजी करते हुए 67 रन और 1 विकेट लिया इस मैच के मुख्य अतिथि जगदीश शर्मा और बागेश्वरी धर द्विवेदी रहे। जो विजेता को मैन आफ द मैच शिल्ड दिए। यह आयोजन युवा समाजसेवी प्रखर वक्ता चन्द्र शेखर पाण्डेय के द्वारा कराया जा रहा है। इस अवसर पर आयोजक समिति में अजय धर द्विवेदी दीपक शर्मा प्रदीप तिवारी अनूप पाठक आलोक धर गुड्डू जायसवाल जितेंद्र रामकेश कुशवाहा दिलीप प्रदीप नीरज अभिषेक निखिल बड़क कृष्ण कुमार जय प्रकाश राम विलास रिशु सुरेंद्र दिलीप कल्लू सेठ गवर्नर आदि मौजूद रहे।

बुद्ध का संदेश
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458
संस्थापक
स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादक
राजेश कुमार शर्मा
9415163471, 9453824459
दैनिक बुद्ध का संदेश
9795951917,9415163471
@budhakasandesh
budhakasandeshnews@gmail.com
www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

## जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

| | |
|---|---|
| जिलाधिकारी | मो0:– 9454417530 |
| मुख्य विकास अधिकारी | मो0:– 9454464749 |
| एस डीएम नौगढ़ | मो0:– 9454415936 |
| एस डीएम बांसी | मो0:– 9454415937 |
| एस डीएम डुमरियागंज | मो0:– 9454415939 |
| एस डीएम इटवा | मो0:– 9454415939 |
| एस डीएम शोहरतगढ़ | मो0:– 9454415940 |
| पुलिस अधीक्षक | मो0:– 9454400305 |
| थाना मोहाना | मो0:– 9454404239 |
| थाना जोगिया उदयपुर | मो0:– 9454404235 |
| थाना गोलौरा | मो0:– 9454404233 |
| थाना पथरा बाजार | मो0:– 9454404240 |
| थाना त्रिलोकपुर | मो0:– 9454404243 |
| थाना उसका बाजार | मो0:– 9454404244 |
| थाना शोहरतगढ़ | मो0:– 9454404241 |
| थाना खेसरहा | मो0:– 9454404236 |
| थाना इटवा | मो0:– 9454404234 |
| थाना चिल्हिया | मो0:– 9454404229 |
| थाना ढेबरूआ | मो0:– 9454404230 |
| थाना भवानीगंज | मो0:– 9454404228 |
| थाना मिश्रौलिया | मो0:– 9454404238 |
| थाना सि0नगर | मो0:– 9454404242 |
| थाना डुमरियागंज | मो0:– 9454404232 |
| थाना लोटन | मो0:– 9454404237 |
| महिला थाना | मो0:– 9454404891 |

राष्ट्रीय दैनिक
बुद्ध का संदेश

# साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन की ठोकर से युवक की मौत

## यह मामला सफेदा बाद क्रासिंग का

दैनिक बुद्ध का संदेश

नगर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत लखनऊ बाराबंकी रेलखंड के मध्य बंद क्रॉसिंग पार कर रहे युवक ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। लखनऊ बाराबंकी रेलवे लाइन सरथरा गांव के समीप बंद रेलवे क्रॉसिंग पर बाइक सवार फाटक के नीचे से बाइक लेकर गुजर रहा था कि अचानक ट्रेन आ गई उसकी चपेट में आने से एक लगभग 35 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक प्रदीप पांडेय पुत्र राम जीत पांडेय निवासी सेमरा थाना धनघटा जनपद संत कबीर नगर उम्र 35 वर्ष के रूप में पहचान हुई मृतक इलेक्ट्रिशियन का काम करता था वह यहीं पर एक गांव में किराए पर रहता था।

# सार्वजनिक स्थान पर लगने वाली मास्टर लाइट घरेलू उपयोग मे

## ग्राम प्रधान की मनमानी के चलते ऐसा हुआ ग्रामीणों में प्रधान के लिए भारी आक्रोश

दैनिक बुद्ध का संदेश

बाराबंकी। सतरिख थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत शरीफाबाद गांव में गौरव रावत विधायक निधि से हाई मास्टर लाइट प्रधान की मिलीभगत से एक निजी व्यक्ति के घर पर लाइट लगवा दी गई जिसके कारण मुख्य चौराहे पर अंधेरा छाया हुआ है जिससे ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। हरख ब्लॉक के शरीफाबाद गांव में वर्तमान विधायक गौरव रावत के निधि से 10 दिन पूर्व हाई मास्क लाइट जो गांव के मुख्य चौराहे पर लगनी थे जिससे पीएचसी जाने वाला मार्ग सुगम रहे परंतु गांव वालों का आरोप है कि ग्राम प्रधान ने मुख्य चौराहे पर ना लगवा कर अपने चहेते के मकान पर लगवा दी जबकि उससे चंद कदमों की दूरी पर सांसद उपेंद्र सिंह रावत की निधि से हाई मास्क लाइट लगी हुई है दोनों लाइटें एक ही स्थान पर लगी है जिससे ग्रामीण विक्रम कल्लू आनंद सुनील सुरेंद्र पुनीत भारत शंभू बुद्धू शिवदयाल आदि लोगों में आक्रोश है।

# क्या आपने कभी खाई है जंगली इमली? जानिए इससे मिलने वाले फायदे

जंगली इमली एक ऐसा फल है, जिसका सेवन स्वास्थ्य को कई तरह के लाभ दे सकता है। इसे विलायती इमली और मनीला इमली भी कहा जाता है। हो सकता है कि कई लोगों को यह फल नया हो, लेकिन हल्के मीठे स्वाद से भरपूर इस फल को डाइट में शामिल करना लाभदायक हो सकता है। आप इसका सलाद, कई तरह की चटनी या जूस के रूप में सेवन कर सकते हैं। आइए इसके फायदों के बारे में जानते हैं।

वजन घटाने में मिल सकती है मदद

अगर आप अपना वजन नियंत्रित करने में लगे हैं तो आपके लिए अपनी डाइट में जंगली इमली को शामिल करना फायदेमंद हो सकता है। दरअसल, यह फल डाइटरी फाइबर और सैपोनिन नामक तत्व से युक्त होता है, जो पेट को लंबे समय तक भरा रखकर अस्वास्थ्यकर स्नैकिंग से बचाने में मदद करता है, जिससे वजन घटाने में मदद मिल सकती है। एक अध्ययन के अनुसार, सैपोनिन्स वजन को लगभग 20 प्रतिशत से 30 प्रतिशत तक कम कर सकता है।

आंत से संबंधित समस्याओं का कर सकती है इलाज

इस फल का इस्तेमाल काफी समय से ही आंतों की विभिन्न समस्याओं के इलाज के लिए किया जाता आ रहा है। इसमें मौजूद एंटी–बैक्टीरियल, एंटी–इंफ्लेमेटरी और एंटी–ऑक्सीडेंट गुण ई.कोली और शिगेला नामक बैक्टीरिया से लड़कर कई तरह की आंत संबंधित समस्याओं से बचाने में मदद कर सकते हैं। ये बैक्टीरिया आंतों को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसके अलावा, इस फल के बीजों में ओलीनोलिक एसिड होता है, जो आंत की कार्यक्षमता को सुधारने में मदद कर सकता है।

जोड़ों के दर्द से दिलाए राहत

यह फल एंटी–इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होता है, जो जोड़ों के दर्द से राहत दिलाने में काफी मदद कर सकता है। यह ऑस्टियोपोरोसिस और अर्थराइटिस जैसी बीमारियों के जोखिम कम करने में भी सहायक हो सकता है और जोड़ों की गतिशीलता को बढ़ाने में मदद करता है। जोड़ों के दर्द और सूजन को दूर करने समेत हड्डियों से संबंधित कई समस्याओं से सुरक्षित रहने के लिए इस फल को अपनी डाइट में शामिल करें।

मधुमेह को नियंत्रित करने में है कारगर

जंगली इमली में एंटी–डायबिटीक गुण मौजूद होते हैं, जो इसे मधुमेह रोगियों के लिए अपनी डाइट में शामिल करने के लिए एक उपयुक्त फल बनाती है। इसकी छाल में प्रोटीन, सैपोनिन, टैनिन, फ्लेवोनोइड्स और अल्कलॉइड समेत फाइटोकेमिकल्स की अधिक मात्रा होती है, जो ब्लड शुगर को कम करके मधुमेह को नियंत्रित रखने में मदद कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, यह फल खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में भी प्रभावी माना जाता है।

कैंसर के जोखिम कम करने में है मददगार

यह फल एंटी–कैंसर गुण से भी समृद्ध होता है। कई शोध के अनुसार, इस फल की पत्तियों में ऐसे एजेंट होते हैं, जो स्तन कैंसर कोशिकाओं को कम करने में मदद कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, यह फल थायमिन और विटामिन–क्च1 से भी भरपूर होता है, जो ट्यूमर के विकास को रोकने के लिए जाना जाता है। हालांकि, कैंसर रोगी डॉक्टरी सलाह के बाद ही इस फल का सेवन करें।

## पिंक डीपनेक आउटफिट में निक्की तंबोली ने दिखाया हुस्न का जलवा

बिग बॉस से घर–घर पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस निक्की तंबोली अपनी बोल्डनेस से फैंस पर कहर बरपाए रहती हैं। उनका कातिलाना अंदाज फैंस को काफी पसंद आता है। वहीं, एक्ट्रेस

निक्की तंबोली ने पिंक कलर के डीपनेक आउटफिट में कहर बरपाया है। उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। एक्ट्रेस निक्की तंबोली अपनी कातिलाना और दिलकश अदाओं से फैंस को मदहोश करने का हुनर बखूबी जानती हैं। एक्ट्रेस निक्की तंबोली ने पिंक कलर का डीपनेक क्रॉप टॉप पहन रखा है। साथ ही डेनिम रिब्ड जींस में एक्ट्रेस काफी ग्लैमरस नजर आ रही हैं। निक्की का ये आउटफिट उनकी खूबसूरती को चार चांद लगा रहा है। एक्ट्रेस के फैशन सेंस की फैंस तारीफ कर रहे हैं। अभिनेत्री निक्की तंबोली ने गोल्डन हेयर स्टाइल के साथ कई कातिलाना पोज दिए। साथ ही फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ा दीं। निक्की तंबोली अपने फैंस के साथ जुडने के लिए सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। निक्की तंबोली की इन तस्वीरों पर फैंस लाइक और कमेंट्स की बौछार कर रहे हैं। एक्ट्रेस की इन तस्वीरों पर एक यूजर ने कॉमेंट कर के लिखा– सेक्सी तो वहीं दूसरे यूजर ने लिखा– स्टनिंग। फैंस भी एक्ट्रेस निक्की तंबोली की इन तस्वीरों को बेहद ही पसंद कर रहे है। साथ ही तस्वीरों को देखकर फैंस आहें भर रहे हैं। एक्ट्रेस निक्की तंबोली के इंस्टाग्राम पर 3.6 मिलियन फॉलोवर्स हैं।

## गीता जयंती समारोह श्रीमद भगवद गीता के जन्म को समर्पित है, जानें त्योहार के बारे में सब कुछ

श्रीमद भगवद गीता हिंदुओं का पवित्र ग्रंथ है और गीता जयंती समारोह श्रीमद भगवद गीता के जन्म को समर्पित है। यह त्योहार हिंदुओं के लिए बहुत पवित्र है और इसे अत्यधिक ध ार्मिक उत्साह और समर्पण के साथ मनाया जाता है। यह त्योहार मुख्य रूप से हरियाणा के कुरुक्षेत्र में मनाया जाता है। त्योहार का स्थान घटना की पवित्रता को जोड़ता है। कुरुक्षेत्र वह भूमि है जहां माना जाता है कि दिव्य गीत श्भगवद् गीताश् को भगवान कृष्ण ने अर्जुन को दिया था। यह स्थान इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि प्रसिद्ध ऋषि मनु ने यहीं मनुस्मृति लिखी थी। ऋग्वेद और सामवेद की रचना भी यहीं हुई थी। भगवान कृष्ण के अलावा, गौतम बुद्ध और प्रख्यात सिख गुरुओं जैसे दिव्य व्यक्तित्वों द्वारा भूमि का दौरा किया गया था। श्रीमद भगवद् गीता अपनी स्थापना के समय से ही हिंदुओं के लिए दार्शनिक मार्गदर्शक और आध्यात्मिक शिक्षक रही है। गीता में, भगवान कृष्ण ने अर्जुन को कई सबक सिखाए हैं, जिन्हें जीवन जीने का आदर्श साधन माना जाता है। हिंदू पौराणिक कथाओं का पवित्र शास्त्र जीवन की किसी भी समस्या के लिए सभी समाधान प्रदान करता है। गीता जयंती समारोह के दौरान पूरे भारत से भक्त और तीर्थयात्री कुरुक्षेत्र में एकत्रित होते हैं। पवित्र सरोवर–सन्निहित सरोवर और ब्रह्म सरोवर के पवित्र जल में स्नान करने के लिए सभी के द्वारा पालन किया जाने वाला एक अनुष्ठान है। असंख्य गतिविधियों के आयोजन से पूरा वातावरण दिव्य और आध्यात्मिक हो जाता है। सप्ताह भर चलने वाला यह उत्सव श्लोक पाठ, नृत्य प्रदर्शन, भगवद् कथा वाचन, भजन, नाटक, पुस्तक प्रदर्शनी और मुफ्त चिकित्सा जांच शिविर जैसे प्रमुख आकर्षणों के साथ मनाया जाता है। समारोह का आयोजन कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड, हरियाणा पर्यटन, जिला प्रशासन, उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र पटियाला और सूचना एवं जनसंपर्क विभाग हरियाणा द्वारा किया जाता है।

## घर में रखे बिस्कुट से बनाएं ये डिलिशियस रेसिपीज

बिस्कुट हम सभी के घर पर होते ही हैं। अमूमन लोग चाय के साथ बिस्कुट खाना पसंद करते हैं। लेकिन हर बार एक ही तरह से बिस्कुट खाने से बोरियत होने लगती है। ऐसे में जरूरी होता है कि आप बिस्कुट को अलग तरह से सर्व करें। जी हां, अगर आप चाहें तो बिस्कुट की मदद से कई अलग–अलग रेसिपीज को बना सकते हैं और उसे सर्व कर सकते हैं– बिस्कुट से बनाएं मोनाको बाइट्सः अगर आप हल्की भूख के दौरान कुछ अच्छा खाना चाहती हैं तो ऐसे में आप मोनाको बाइट्स बना सकती हैं।

आवश्यक सामग्री– – 7–8 मोनाको बिस्कुट – 1 छोटा प्याज – 1 छोटा टमाटर – 1 छोटी गाजर – 2 छोटे चम्मच वेज मेयोनेज – 1 टीस्पून टमाटर सॉस – नमक – 1 छोटा चम्मच बूंदी – 1ध्2 छोटा चम्मच पेरी पेरी मसाला – 2 टीस्पून धनिया पत्ती – 1 छोटा चम्मच मिक्स्ड हर्ब्स

बनाने का तरीका– – सभी सब्जियों को काट लें। – अब आप बिस्कुट को प्लेट में रखिए। – आप मेयोनीज और टोमेटो सॉस को पेरी पेरी मसाला के साथ मिलाइए। – अब आप पाइपिंग बैग में मेयोनीज का मिश्रण डालिए। – बाउल में सब्जियों को नमक और मिक्स्ड हर्ब्स डाल कर अच्छी तरह मिक्स करें। – हर बिस्कुट पर थोड़ा मिश्रण डालिए। – अब उस पर बूंदी और मेयोनीज का मिश्रण डालें। – अब आप इसके ऊपर कटा हुआ हरा धनिया डालें और सर्व करें।

बिस्कुट से बनाएं चाट

अगर आपको चाट खाना पसंद है तो ऐसे में बिस्कुट की मदद से चाट भी बनाई जा सकती है– आवश्यक सामग्री– – 8–10 मोनाको बिस्कुट – उबले मैश किए हुए आलू – 1 प्याज कटा हुआ – 1 टमाटर कटा हुआ – 2 बड़े चम्मच कटी हुई धनिया पत्ती – 2 बड़े चम्मच टमाटर केचप – 2 बड़े चम्मच चाट मसाला – 1ध्2 कप सेव – स्वादानुसार काला नमक बनाने का तरीका– – एक प्लेट में बिस्कुट रखें। – अब आप इसमें मैश किए हुए आलू में नमक डालें। – प्रत्येक बिस्कुट पर थोड़ा मैश किया हुआ आलू रखें। – फिर एक–एक करके प्याज, टमाटर और हरा धनिया डालें। – साथ ही इसमें चाट मसाला, टोमैटो केचप और स्वादानुसार सेव डालें। – आपकी डिलिशियस बिस्कुट चाट बनकर तैयार है।

# चीकू के रोजाना सेवन से मिलते हैं ये 5 जबरदस्त फायदे, डाइट में करें शामिल

चीकू एक ऐसा फल है जिसमें ढेर सारे पोषक तत्व मौजूद होते हैं। इसमें फाइबर और एंटी–इंफ्लामेटरी गुण अधिक मात्रा में होते हैं, जिनसे पाचन क्रिया, सूजन और जोड़ों के दर्द में मदद मिलती है। इसके अलावा यह आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली और आंत के स्वास्थ्य को भी बेहतर रखता है। आइए आज आपको चीकू के रोजाना सेवन से होने वाले पांच बड़े फायदों के बारे में बताते हैं।

ऊर्जा के स्तर को बढ़ाने में है मददगार

कैलोरी और ग्लूकोज से भरपूर चीकू आपकी ऊर्जा के स्तर को बढ़ाने में काफी मदद करता है। इसमें कार्बोहाइड्रेट के अलावा फ्रुक्टोज और सुक्रोज नामक प्राकृतिक शुगर होते हैं जो शरीर को ऊर्जा देने का काम करते हैं। इनकी मदद से पाचन क्रिया ठीक रहती है और यह आसानी से अवशोषित हो जाते हैं, जिससे आपको तुरंत ऊर्जा मिलती है। ज्यादा एक्सरसाइज करने के लिए आप वर्कआउट से पहले चीकू का सेवन कर सकते हैं।

त्वचा के लिए है लाभदायक

चीकू में खनिज, एंटी–ऑक्सीडेंट, फाइबर और विटामिन ए, सी, ई और के मौजूद होते हैं। एंटी–ऑक्सीडेंट में एंटी–एजिंग गुण होते हैं जो त्वचा की कोशिकाओं को जीवंत और हाइड्रेटेड रखते हैं। इसके अलावा यह शरीर में फ्री रेडिकल्स को खत्म करते हैं, जिससे झुर्रियां और महीन रेखाओं को रोका जा सकता है। चीकू के बीज में गुठली का तेल होता है जो त्वचा की सूजन को कम करता है।

ब्लड प्रेशर को कम करने में भी सहायकः चीकू में मौजूद पोटैशियम और मैग्नीशियम सोडियम के स्तर को कम करने में मदद करते हैं और ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ावा देते हैं। इसके साथ ही ये ब्लड प्रेशर के स्तर को नियंत्रित करने में भी मदद करते हैं। चीकू के सेवन से दिल संबंधी समस्याओं जैसे स्ट्रोक और दिल के दौरे के जोखिम को रोकने में भी मदद मिलती है। चीकू आयरन से भी भरपूर होता है जो एनीमिया के विकास के जोखिम को रोकता है।

चीकू में होते हैं एंटी–कैंसर गुणः चीकू में एंटी–कैंसर गुण भी होते हैं जो कई तरह के कैंसर से बचाते हैं। इसमें मौजूद विटामिन ए और बी शरीर की कई म्यूकस लाइनिंग को बनाए रखने में मदद करती हैं जिससे मुंह और फेफड़ों के कैंसर का खतरा कम होता है। वहीं इसके फूल के अर्क को ब्रेस्ट कैंसर की कोशिकाओं को बढने से रोकने में मददगार माना जाता है। इसके मेथनॉलिक अर्क से कैंसर के ट्यूमर के विकास के जोखिम को कम किया जा सकता है।

हड्डियों के लिए भी है बेहद लाभकारीः हड्डियों की मजबूती के लिए कैल्शियम, फॉस्फोरस और आयरन काफी अहम पोषक तत्व माने जाते हैं। ऐसे में इन तीनों पोषक तत्वों से भरपूर चीकू हड्डियों को मजबूत बनाकर उन्हें लाभ पहुंचा सकता है। चीकू में कॉपर की मात्रा भी पाई जाती है जो हड्डियों, कनेक्टिव टिश्यू और मांसपेशियों के लिए जरूरी होता है। इसके साथ ही यह बुढ़ापे के कारण हड्डियों को होने वाले नुकसान से बचाने में भी सहायक होता है।